सुविचार

हमारी पहचान हमेशा
हमारे द्वारा छोड़ी गई
उपलब्धियों से होती है।

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 10 ■ अंक - 187 ■ मंडला, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

लोकतंत्र खत्म करने का औजार था एसआईआर : खड़गे



अब ये राक्षस जैसा, भाजपा नेता इसके चंगुल में फंसे; आडवाणी-जयशंकर समेत कई नेताओं को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में रक्रफ प्रक्रिया के तहत भाजपा नेताओं को चुनाव आयोग की तरफ से जारी नोटिस पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने तंज कसा है। खड़गे ने सोमवार को पर लिखा कि रक्रफ केवल वोट चोरी व लोकतंत्र को खत्म करने का औजार ही नहीं है। बल्कि ये एक फ्रेंकेंस्टीन मॉन्स्टर (एक कहानी का किरदार) बन गया है जिसने अब उसी के लोगों को फंसा दिया है। दरअसल दिल्ली में रक्रफ के तहत बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चुनाव आयुक्त एसएस संधू को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, 33.13 लाख मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म की जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस भेजे गए हैं।

33 लाख से ज्यादा वोटर्स के फॉर्म में गड़बड़ियां मिलीं : 98 साल के लालकृष्ण आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को 2002 की रक्रफ मतदाता सूची से नाम मैप नहीं होने के कारण नोटिस मिला है। उनके बेटे जयंत की मैपिंग प्रक्रिया पूरी हो गई है। चारों नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर, जो नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सुनहरी बाग इलाके में मतदाता हैं, को भी ह्यपिछली रक्रफ से मैप नहींह्ल कारण से नोटिस मिला है। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश को भी नोटिस दिया गया है। उनके मतदाता रिकॉर्ड में उपराष्ट्रपति आवास का पता दर्ज है। चुनाव आयुक्त एस.एस. संधू को उनके नाम में अंतर के कारण नोटिस मिला है, जबकि उनके बेटे दमनबीर को माता-पिता के नाम में अंतर के कारण नोटिस जारी किया गया है। दोनों दिल्ली कैंट विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। **इन नेताओं को भी नोटिस :** पूर्व दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, राज्यसभा सांसद कपिल सिबल और इखढ नेता सुधांशु मित्तल को भी नोटिस भेजा गया है। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के वोटर कपिल सिबल को पिछली एसआईआर से रिकॉर्ड लिंक नहीं होने के कारण नोटिस मिला है। वीरेंद्र सचदेवा ने बताया कि उन्हें नाम से जुड़ी गड़बड़ी के कारण नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि जरूरी दस्तावेजों के जरिए इसे ठीक करा लेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी और भाई का नाम भी नोटिस पाने वालों की सूची में है। उन्होंने कहा कि जरूरी सुधार करा दिए जाएंगे।

दिल्ली, महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों में एसआईआर का तीसरा फेज

चुनाव आयोग ने 14 मई को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (रक्रफ) की घोषणा की थी। यह एसआईआर का तीसरा फेज है। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन हो रहा है। जिन राज्यों में रक्रफ होगा, उनमें पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

दोबारा गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी, पुलिस को बताना होगा कारण'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाया। इसमें आरोपी की दोबारा गिरफ्तारी की प्रक्रिया को साफ किया गया, क्योंकि पिछली गिरफ्तारी को इसलिए गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था क्योंकि उसमें गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत जरूरी है। जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने यह तय किया कि आर्टिकल 22(1) के उल्लंघन के कारण रिहा किए गए व्यक्ति को दोबारा गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को संबंधित ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने एक अर्जी देनी होगी और मजिस्ट्रेट की मंजूरी लेनी होगी। यह अर्जी तभी दी जा सकती है जब आरोपी को गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में दे दिए जाएं। साथ ही अर्जी पर उस पुलिस अधिकारी के तुरंत ऊपर के अधिकारी की मंजूरी भी होनी चाहिए जिसने पहली बार गिरफ्तारी की थी।

जस्टिस भुइयां ने क्या कहा ? : आवेदन में इस बात का भी कारण बताया जाना चाहिए कि गिरफ्तारी के आधार शुरू में क्यों नहीं बताए गए थे। बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि अनुच्छेद 22(1) का उल्लंघन करके पहली गिरफ्तारी करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए।

जस्टिस भुइयां ने कहा, "एक बार जब अनुच्छेद



22(1) का उल्लंघन हो जाता है तो दोबारा गिरफ्तारी का अधिकार उसी अधिकारी की मर्जी पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए जिसने संविधान के प्रावधान का उल्लंघन किया है। इसे न्यायिक तरीके से लागू किया जाना चाहिए।" इसलिए कोर्ट ने निर्देश दिया कि मजिस्ट्रेट को इस अर्जी पर जल्द से जल्द फैसला लेना चाहिए और एजेंसी को जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंप देनी चाहिए। जस्टिस भुयन ने कहा, "जब मजिस्ट्रेट इस बात से संतुष्ट हो जाए कि सही वजहों से गिरफ्तारी के आधार शुरू में गिरफ्तार व्यक्ति को नहीं बताए जा सके थे लेकिन बाद में बताए गए और साथ ही इस बात से भी संतुष्ट हो कि आरोपी को दोबारा गिरफ्तार करने की जरूरत है, तभी वह जांच एजेंसी को दोबारा गिरफ्तारी की इजाजत देने का आदेश दे सकता है।"उन्होंने आगे कहा, "प्रशासनिक स्तर पर जब किसी ऐसे आरोपी की कस्टडी के लिए मंजूरी मांगने वाली अर्जी सीनियर अधिकारी के सामने पेश की जाए जिसे आर्टिकल 22(1) के उल्लंघन के कारण रिहा किया गया था तो वह अधिकारी मामले की जांच किसी दूसरे अफसर को सौंप देगा और साथ ही इतनी गंभीर चूक के लिए विभागीय जांच का आदेश भी देगा। अगर जांच में दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोई प्रतिकूल नतीजा निकलता है तो ऐसे अधिकारी के सर्विस बुक में एंट्री के साथ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।"

किस मामले पर हो रही थी सुनवाई ? बेंच ने मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र राज्य (2025) मामले के फैसले में तय किए गए सिद्धांतों को विस्तार से समझाया और कहा कि वे दोबारा गिरफ्तारी के मामले में दुरुपयोग को रोकने के लिए और प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय तय कर रहे हैं। कोर्ट ने साफ किया कि अनुच्छेद 22(1) किसी खास कानून तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर तरह की गिरफ्तारी पर लागू होता है, यहां तक कि विशेष कानूनों के तहत होने वाली गिरफ्तारी पर भी। साथ ही आरोपी को यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि इस प्रावधान के उल्लंघन से उसे कोई नुकसान हुआ है, क्योंकि यह एक मौलिक अधिकार है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जब अनुच्छेद 22(1) के उल्लंघन के कारण गिरफ्तारी को रद करने के बाद किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है तो इसे जमानत पर रिहाई नहीं माना जाता है।

राज ठाकरे के खिलाफ रील बनाने वाले को कालिख पोती

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में राज ठाकरे पर टिप्पणी वाली रील के मामले में ठटर कार्यकताओं ने इन्फ्लुएंसर महेश मोटे से माफ मंगवाई। आरोप है कि कार्यकताओं ने उनका चेहरा काली स्याही से पोता और राज ठाकरे की तस्वीर के सामने दंडवत करवाया। उनके सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक भी कराई गईं। घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें वे हाथ जोड़कर राज ठाकरे, ठटर और पार्टी पदाधिकारियों से बिना शर्त माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे रोते हुए आगे ऐसी गलती नहीं करने और उन्हें परेशान नहीं करने की अपील करते हैं।

छोटी घटनाओं को गंभीरता से लें DM-SP, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिलों में छोटी-छोटी घटनाओं पर भी गंभीरता से नजर रखें और सूचना मिलते ही प्रशासन तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि जनसमस्याओं के निस्तारण में उदासीनता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यहां जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनने के बाद कहा कि समाज में वैमनस्य फैलाने वाले लोग मामूली घटनाओं को बड़ा रूप देने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा है कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक अपने-अपने जिलों में छोटी से छोटी घटना पर नजर रखें। घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई करें और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मामलों का समयबद्ध निस्तारण कराएं। योगी ने जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठे प्रत्येक फरियादी से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रशासन, पुलिस, राजस्व और विद्युत सहित विभिन्न विभागों



से संबंधित प्रार्थना पत्रों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार साढ़े नौ वर्षों से बिना किसी भेदभाव के लोगों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पात्र व्यक्तियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंद मरीजों के इलाज की व्यवस्था हो और भूमाफिया तथा दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में पुलिस और राजस्व से संबंधित शिकायतें अधिक सामने आने पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसएसपी स्तर के अधिकारियों को नियमित रूप से जनसमस्याओं की सुनवाई और उनके निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि यदि किसी अधीनस्थ कर्मचारी या अधिकारी के स्तर पर लापरवाही की शिकायत मिलती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

कर्नाटक विधानसभा में भाजपा विधायकों ने गाया पूरा 'वंदे मातरम'



बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विधानसभा में वंदे मातरम को केवल दो छंदों के बाद बंद कर दिया गया, जिसके बाद बीजेपी के विधायकों ने इसे सीमित करने के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए गीत का पूरा संस्करण गाया। बीजेपी विधायक एसआर विश्वनाथ ने इस मुद्दे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को खुश करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

भाजपा ने जताया कड़ा विरोध : विश्वनाथ ने कहा कि आजादी से पहले भी कांग्रेस ने वंदे मातरम का विरोध किया था और अपनी बैठकों में इसे गाना बंद कर दिया था। सोनिया गांधी को खुश करने के लिए, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने इसे कैबिनेट में पेश किया और कहा कि हम केवल दो पैराग्राफ गाएंगे, पूरा गीत नहीं। कांग्रेस आलाकमान को खुश करने के लिए, उन्होंने राष्ट्रगान के समान महत्व रखने वाले वंदे मातरम को छोटा कर दिया है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज विधान सौधा में अगर वे इसे बीच में रोकते हैं, तो सभी बीजेपी विधायक पूरा वंदे मातरम गाएंगे, भले ही वे हमें रोकने की कोशिश करें। इसके बाद, बीजेपी विधायकों ने विधानसभा में वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया।

क्या है कर्नाटक सरकार का आदेश ? इससे पहले कर्नाटक सरकार ने एक निर्देश जारी किया था कि राज्य सरकार के कार्यक्रमों और आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के केवल पहले दो छंद ही बजाए या गाए जाएंगे। 8 सितंबर 2026 को जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार, यह निर्णय केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुरूप लिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों को छोड़कर, राज्य सरकार के अन्य सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल पहले दो छंद ही गाए जाएंगे। यह आदेश कर्नाटक के राज्यपाल के नाम से जारी किया गया था।

प्याज 3 महीने में 82% महंगी

नई दिल्ली। जून-सितंबर के दौरान देश में प्याज की कीमतें तेजी से उछलीं। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून को प्याज का औसत खुदरा भाव 29.50 रुपए प्रति किलो था। 17 सितंबर को यह बढ़कर 53.78 रुपए प्रति किलो हो गया। यानी करीब साढ़े तीन महीने में ही प्याज की कीमतों में 82.3% की भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई। थोक बाजारों में तेजी और भी ज्यादा रही। 1 जून को थोक बाजार में प्याज का औसत भाव 22.60 रुपए किलो था। 10 सितंबर को यह 46.20 रु. हो गया, फिर 17 सितंबर को 45.68 रु. दर्ज किया गया। जून के मुकाबले प्याज के थोक भाव करीब दोगुने हो गए हैं। महाराष्ट्र में गर्मियों की फसल खराब होने और आवक घटने से कीमतें बढ़ी हैं।

सोमनाथ मंदिर और अहमदाबाद बीजेपी के दफ्तर को मिली बम से उड़ाने की धमकी

गुजरात। गुजरात में एक बार फिर से सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अहमदाबाद में बीजेपी के केंद्रीय कार्यालय, कोबा कार्यालय और सोमनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिसके बाद हड़कंप मच गया है। एक अज्ञात ईमेल के जरिए ये धमकी दी गई है, जिसमें बीजेपी के केंद्रीय कार्यालय, सीएम पटेल, कोबा कार्यालय और सोमनाथ का जिक्र है।



अनजान ईमेल से मिली धमकी : एक अनजान व्यक्ति ने ईमेल भेजकर दावा किया कि गुजरात के सोमनाथ मंदिर और कई अन्य जगहों पर बम रखे गए हैं। ईमेल में देश-विरोधी और विवादित बातें थीं और आरोपी ने पाकिस्तान के समर्थन में नारे लिखकर डर फैलाने की कोशिश की।

बीजेपी ऑफिस में सघन तलाशी : बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद अहमदाबाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। पुलिसकर्मी, फायर ब्रिगेड और डॉग स्क्वॉड की एक टीम शहर के खानपुर इलाके में स्थित बीजेपी ऑफिस पहुंची। परिसर की अच्छी तरह से तलाशी ली गई और डॉग स्क्वॉड की मदद से हर कोने की जांच की गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मेयर हितेश बारोट समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जेपी नड्डा के काफिले पर हमला मामला, 6 साल बाद दो तृणमूल नेता गिरफ्तार

कोलकाता। भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर 2020 में हुए हमले के मामले में करीब छह साल बाद पुलिस ने दो तृणमूल नेताओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रिपन शेख और संजीव मंडल के रूप में हुई है। दोनों को दक्षिण 24 परगना के मोगराहाट पश्चिम इलाके से पकड़ा गया। उनके पास से आग्नेयास्त्र भी बरामद किया गया है। 2020 में दक्षिण 24 परगना के शिराकोल के पास राजनीतिक कार्यक्रम में जाते समय नड्डा के काफिले पर हमला हुआ था। उस समय उनके साथ प्रदेश भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप घोष और पार्टी नेता सुकांत मजूमदार भी थे। दिलीप घोष ने बाद में कहा था कि बुलेटप्रूफ वाहन नहीं होता तो घटना में जान जा सकती थी। पुलिस के अनुसार, रिपन और संजीव इलाके में तृणमूल नेता के रूप में जाने जाते हैं। दोनों पर असामाजिक गतिविधियों और बाइक दस्ते के जरिए इलाके में दबदबा कायम करने के आरोप भी हैं। पुलिस का दावा है कि नड्डा के काफिले पर हमले में भी दोनों की भूमिका थी। हालांकि, उनकी सटीक भूमिका अभी स्पष्ट नहीं हुई है। : पुलिस के अनुसार, मामले की पहली प्राथमिकी में जहांगीर का नाम भी था। जांच में कथित ढिलाई के कारण लंबे समय तक आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी।

आर्थिक तंगी : लकड़ी के लिए नहीं थे पैसे, परिजनों ने श्मशान में लावारिस छोड़ा शव

पणजी। भारत के सबसे छोटे राज्य गोवा में प्रति व्यक्ति आय देश में दूसरे स्थान पर है, बीच विला करोड़ों में बिकते हैं और जीडीपी के आंकड़े हमेशा शानदार दिखते हैं। इसके बावजूद, एक व्यक्ति का शव पूरी रात श्मशान घाट पर लावारिस पड़ा रहा, क्योंकि उसके परिवार के पास चिता जलाने के लिए लकड़ियां खरीदने के पैसे नहीं थे। इस व्यक्ति का नाम अशोक विष्णु पालयेकर था। उत्तरी गोवा के पेरनेम स्थित कासारवर्ने के देउलवाड़ा वार्ड में उनका घर किसी सामान्य घर जैसा नहीं है। बड़ी-बड़ी इमारतों के बीच बमुश्किल 20 वर्ग मीटर में बना यह एक छोटा सा ढांचा है। इसमें बिना प्लास्टर की लेटराइट पत्थरों से बनी दीवारें और दो कमरे हैं, जिन पर अब ताला लटका हुआ है। अशोक अपना जीवन इस छोटे से घर और अपनी दो बहनों के घरों के बीच बिताते थे। उनकी दोनों बहनें विधवा हैं और पेरनेम के अन्य गांवों में रहती हैं। दोनों का गुजारा गरीबों को मिलने वाली 2,000 रुपये प्रति माह की सरकारी पेंशन से होता है। दो साल पहले जब अशोक का एक पैर काटना पड़ा और होटल में उनकी छोटी-मोटी नौकरी छूट गई, तब से उनकी बहनें ही बारी-बारी से उनकी देखभाल कर रही थीं। **गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर टूटा दुखों का पहाड़ :** 13 सितंबर को



गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर 65 वर्षीय अशोक अपने छोटे से घर में बीमार पड़ गए। मुफ्त 108 एंबुलेंस उन्हें पास के कासारवर्ने स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां अशोक को मृत घोषित कर दिया गया। वहां मौजूद गार्ड के अनुसार, उनकी मौत को रजिस्टर में दर्ज तक नहीं किया गया। उनकी बहनों ने कहीं सुना था कि पेरनेम नगर पालिका श्मशान घाट में गरीबों का मुफ्त में अंतिम संस्कार किया जाता है। इसलिए, उन्होंने अपने पास बचे थोड़े-बहुत पैसे जुटाए, एक वाहन किराए पर लिया और अपने भाई के शव को वहां ले गईं।

पैसे के अभाव में श्मशान घाट पर छोड़ना पड़ा शव : देर शाम का वक्त था और वहां कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। राज्य के सबसे बड़े त्योहार से एक दिन पहले श्मशान घाट बिल्कुल खाली था। बहनों के पास लकड़ियां खरीदने के लिए पैसे नहीं थे, न ही शव को वापस ले जाने या किसी और जगह ले जाने के पैसे थे। इसलिए, मजबूरन उन्हें अपने भाई का शव वहीं छोड़ना पड़ा। पुलिस को बाद में समझ आया कि यह किसी क्रूरता की वजह से नहीं था, बल्कि इस टूटी हुई उम्मीद के साथ किया गया था कि जो काम परिवार नहीं कर सका, उसे सरकार पूरा करेगी और उनके भाई को सम्मानजनक विदाई मिलेगी।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। थाना पुलिस हो या क्राइम ब्रांच, दोनों पुलिस व्यवस्था का ही हिस्सा हैं और पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध, अपराधियों तथा अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए काम करते हैं। हालांकि दोनों के कार्य करने का तरीका अलग होता है। थाना पुलिस अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, शिकायतों और रोजमर्रा की पुलिसिंग की जिम्मेदारी संभालती है, जबकि क्राइम ब्रांच विशेष सूचनाओं, गंभीर अपराधों और फरार आरोपियों की तलाश जैसी कार्रवाइयों पर अधिक केंद्रित रहती है। क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में गोपनीयता और सूचना तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मुखबिरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर टीम कई बार अचानक छापामार कार्रवाई करती है। ऐसी कार्रवाई की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को भी अंतिम समय तक नहीं होने की स्थिति बन सकती है। इसका उद्देश्य कार्रवाई से पहले सूचना के लीक होने की आशंका को कम करना होता है।

पिछले कुछ वर्षों में अपराध शाखा और विशेष जांच टीमों द्वारा जुआ-सट्टा, अवैध शराब, नशीले पदार्थों, कबाड़ तथा अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के मामले सामने आते रहे हैं। गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों और कुख्यात बदमाशों की गिरफ्तारी में भी विशेष पुलिस टीमों की भूमिका रहती है। हालांकि किसी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच के योगदान का वास्तविक प्रतिशत मामले और उपलब्ध पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर ही तय किया जा सकता है।



कई बार थाना क्षेत्र में क्राइम ब्रांच की अचानक कार्रवाई को लेकर स्थानीय पुलिस और विशेष टीम के बीच समन्वय का सवाल भी उठता है। थाना प्रभारी अपने क्षेत्र की गतिविधियों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति जवाबदेह होते हैं। ऐसे में किसी अन्य टीम द्वारा की गई कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस से भी कार्रवाई और क्षेत्र में चल रही गतिविधियों को लेकर जवाब मांगा जा सकता है।

पुलिस व्यवस्था में यह जरूरी है कि थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच के बीच कार्रवाई को लेकर किसी तरह का टकराव न हो। यदि किसी क्षेत्र में जुआ, सट्टा, अवैध शराब, नशे या अन्य आपराधिक गतिविधियों की सूचना मिलती है तो स्थानीय पुलिस और विशेष टीम को आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। इससे न केवल कार्रवाई प्रभावी होगी, बल्कि अपराधियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखने में भी मदद मिलेगी।

क्राइम ब्रांच का काम केवल छापामार कार्रवाई तक सीमित नहीं होता। गंभीर अपराधों की जांच में सहयोग, फरार आरोपियों की तलाश, तकनीकी जानकारी का विश्लेषण और अपराधियों के नेटवर्क की जानकारी जुटाना भी इसकी जिम्मेदारियों में शामिल हो सकता है। दूसरी ओर थाना पुलिस को अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ पीड़ितों की सहायता, शिकायतों पर कार्रवाई, गश्त और विभिन्न सामाजिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभानी होती है। जानकारों के अनुसार अपराध नियंत्रण के लिए दोनों इकाइयों के बीच स्पष्ट कार्यविभाजन और बेहतर समन्वय जरूरी है। थाना पुलिस यदि अपने क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखे और समय पर कार्रवाई करे तो विशेष टीमों पर निर्भरता कम की जा सकती है। वहीं क्राइम ब्रांच को भी कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस के साथ आवश्यक समन्वय बनाए रखना चाहिए। पुलिस व्यवस्था का उद्देश्य किसी एक इकाई का क्षेत्राधिकार साबित करना नहीं, बल्कि अपराध की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच के बीच आपसी विश्वास, सूचना का उचित आदान-प्रदान और वरिष्ठ अधिकारियों के स्पष्ट निर्देश महत्वपूर्ण हैं। प्रभावी समन्वय से अपराधियों पर कार्रवाई तेज करने के साथ पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता भी मजबूत की जा सकती है।

गढ़ा क्षेत्र में बिजली की बार बार ट्रिपिंग से लोग परेशान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गढ़ा क्षेत्र में बार-बार हो रही बिजली की ट्रिपिंग और कटौती से उमस भरी गर्मी में स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश थमने के बाद तापमान में हुई बढ़ोतरी से लोग पहले ही गर्मी और उमस से बेहाल हैं। ऐसे में सुबह से बिजली की आंखमिचौनी के कारण लोगों के रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। गढ़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले करीब दर्जनभर इलाकों में बिजली की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह हो या शाम, बिजली कब चली जाए इसका कोई भरोसा नहीं रहता। देवताल, सूपाताल, चिकनी कुआं और गढ़ा बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोग घोषित और अघोषित बिजली कटौती से परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक, शाम चार से साढ़े पांच बजे तक और रात में भी बिजली की कटौती हो रही है। बार-बार बिजली जाने और आने से घरेलू काम प्रभावित होने के साथ विद्युत उपकरणों के खराब होने की आशंका भी बनी रहती है। बिजली की अनियमित आपूर्ति का असर क्षेत्र के कारोबार पर भी पड़ रहा है। गढ़ा बाजार और आसपास के व्यापारियों का कहना है कि बिजली की बार-बार ट्रिपिंग से दुकान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। बिजली कटौती के कारण गर्मी में ग्राहकों और दुकानदारों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार ट्रिपिंग से परेशान होकर जब वे गढ़ा स्थित बिजली विभाग के कार्यालय में फोन करते हैं तो कई बार फोन पर संपर्क नहीं हो पाता। इससे बिजली आपूर्ति बाधित होने का कारण



और उसे ठीक करने में लगने वाले समय की जानकारी लोगों को नहीं मिल पाती। बिजली कटौती के कारण उमस और गर्मी में बुजुर्गों तथा बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय बिजली बंद होने पर मच्छरों की समस्या भी बढ़ जाती है। इससे मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ने की चिंता भी लोगों में बनी हुई है। हालांकि गढ़ा विद्युत एक्सचेंज के सहायक अभियंता प्रभारी मनीषचंद्र ने कहा कि फिलहाल गढ़ा फीडर से किसी तरह की बिजली कटौती नहीं की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले विद्युत लाइनों के आसपास लगे पेड़ों की डालियों की कटाई-छंटाई के लिए कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद की गई थी। अधिकारी के अनुसार पेड़ों की डालियां विद्युत लाइनों पर गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथ मानवीय हादसों की आशंका रहती है। इन्हीं घटनाओं से बचाव के लिए संभाग में पेड़ों की कटाई-छंटाई का कार्य कराया गया था। दूसरी ओर स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में हो रही ट्रिपिंग और कटौती की समस्या का स्थायी समाधान किया जाना जरूरी है, ताकि गर्मी के बीच नियमित बिजली आपूर्ति बनी रहे।

मौसम में बदलाव से फिर तेज बारिश की संभावना

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। संभाग में बादलों का कोई मजबूत तंत्र सक्रिय नहीं होने से झमाझम बारिश का दौर फिलहाल थम गया है। हालांकि स्थानीय स्तर पर बन रही मौसमी परिस्थितियों के कारण संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिनों में संभाग में एक बार फिर मजबूत मौसमी तंत्र सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। फिलहाल बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार यह तंत्र आगे बढ़कर उच्च दबाव वाले चक्रवाती परिसंचरण में बदल सकता है। इसके प्रभाव से संभाग के मौसम में अचानक बदलाव आने और बारिश का एक और दौर शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। सितंबर का महीना मानसूनी बारिश के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस महीने मानसून की विदाई की प्रक्रिया भी शुरू होती है। इसी कारण सितंबर में होने वाली बारिश को मानसूनी वर्षा के आंकड़ों में शामिल किया जाता है। वर्तमान में मानसून का प्रभाव कमजोर पड़ने के बाद भी वातावरण में नमी बनी हुई है, जिससे स्थानीय स्तर



पर बादल बनने और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। पिछले कुछ दिनों से आसमान में बादलों की मौजूदगी के बीच तेज धूप निकलने से उमस और गर्मी बढ़ गई है। दिन का तापमान लगातार 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जो सामान्य तापमान से करीब तीन डिग्री अधिक है। रात का तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया जा रहा है और यह सामान्य के आसपास बना हुआ है। बारिश का आंकड़ा भी इस समय करीब 30 इंच के आसपास पहुंच गया है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक बारिश का आंकड़ा 40 इंच के पार पहुंच चुका था। इस लिहाज से इस वर्ष अब तक बारिश अपेक्षाकृत कम हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बनने वाली मौसमी प्रणाली से बारिश में कुछ और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा और बूंदाबांदी की संभावना जताई है। हालांकि अभी अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां कमजोर बनी हुई हैं। स्थानीय स्तर पर बादल बनने और नमी के कारण कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। मौसम में बदलाव के साथ संभाग में हवा की दिशा भी बदल गई है। फिलहाल उत्तर-पश्चिमी हवा चल रही है। शाम के समय हवा की गति करीब 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच रही है। तेज हवा और बादलों की आवाजाही के कारण मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। मौसम विभाग की नजर बंगाल की खाड़ी में सक्रिय कम दबाव के क्षेत्र पर बनी हुई है। यदि यह प्रणाली अपेक्षानुसार आगे बढ़ती है और मजबूत होती है तो संभाग में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। ऐसे में अगले कुछ दिनों में तापमान, बादलों और वर्षा की स्थिति में बदलाव देखने को मिल सकता है।

शक्ति भवन की मुख्य सड़क पर अब वाहन पार्क करने पर रोक

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने शक्ति भवन परिसर में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में विद्युत कंपनियों के मानव संसाधन एवं प्रशासन प्रमुखों की बैठक में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। निदेर्शों के अनुसार विद्युत कंपनियों के कार्मिक अपने वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित स्थान पर ही करेंगे। नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन फिरोज कुमार मेश्राम ने भी सुरक्षा विभाग को पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित तरीके से लागू कराने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत शक्ति भवन परिसर में वाहनों की आवाजाही और पार्किंग को निर्धारित नियमों के अनुसार नियंत्रित किया जाएगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि पार्किंग के कारण मुख्य मार्ग या अन्य आवागमन बाधित न हो। निदेर्शों के अनुसार शक्ति भवन की मुख्य सड़क पर किसी भी प्रकार का वाहन पार्क या खड़ा नहीं किया जा सकेगा। विद्युत कंपनियों के कर्मचारियों को दोपहिया और चारपहिया वाहन केवल उनके लिए निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करने होंगे। मुख्य



सड़क पर वाहन खड़े किए जाने से आवागमन प्रभावित होने की स्थिति में संबंधित वाहन के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शक्ति भवन परिसर में आने वाले बाहरी व्यक्तियों और आगंतुकों के वाहनों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। ऐसे वाहनों को शक्ति भवन परिसर के अंदर पार्क करने की अनुमति नहीं होगी। बाहरी वाहनों की पार्किंग परिसर के बाहर निर्धारित और उपयुक्त स्थान पर कराई जाएगी। हालांकि विशेष परिस्थितियों में संबंधित वाहन को शक्ति भवन परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जा सकेगी। नई व्यवस्था में वाहनों के अधिक समय तक पार्क रहने पर भी रोक लगाई गई है। कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन की ओर से जारी निर्देश के अनुसार कोई भी वाहन शक्ति भवन की पार्किंग में 24 घंटे से अधिक समय तक खड़ा नहीं किया जा सकेगा। निर्धारित अवधि से अधिक समय तक पार्क पाए जाने वाले वाहनों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निदेर्शों में कहा गया है कि यदि कोई वाहन 24 घंटे से अधिक समय तक पार्किंग स्थल पर मौजूद पाया जाता है तो आवश्यकता के अनुसार उसे हटवाने की कार्रवाई की जा सकती है। जरूरत पड़ने पर ऐसे वाहनों को पुलिस थाने के माध्यम से जब्त या हटवाया भी जा सकेगा। इस संबंध में सुरक्षा विभाग को निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। वाहन को हटाने या जब्त करने की स्थिति में उसकी सुरक्षा, सुपुर्दगी और उससे संबंधित अन्य सभी जिम्मेदारियां वाहन स्वामी या संबंधित व्यक्ति की होंगी। अधिकारियों ने सभी विद्युत कंपनियों के कार्मिकों से निर्धारित पार्किंग व्यवस्था का पालन करने को कहा है। इसका उद्देश्य शक्ति भवन परिसर में वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने के साथ मुख्य मार्गों पर आवागमन सुचारु बनाए रखना है।

पुरानी रंजिश में युवक की चाकू मारकर हत्या

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मझगवां थाना क्षेत्र के नुज्जा कॉलोनी में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि करीब एक वर्ष पहले युवक के बड़े भाई द्वारा साहिल की बहन को अपने साथ ले जाने को लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में साहिल ने अपने साथियों के साथ मिलकर जितेंद्र वंशकार के छोटे भाई गणेश वंशकार को गांव के मुक्तिधाम के पास बुलाया और चाकू से हमला कर दिया। मझगवां पुलिस के अनुसार करीब एक वर्ष पहले नुज्जा निवासी जितेंद्र वंशकार गांव के रहने वाले साहिल की बहन को अपने साथ ले गया था। जितेंद्र और युवती गांव छोड़कर जबलपुर में रहने लगे थे। इस घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच रंजिश चल रही थी। पूर्व में यह मामला पुलिस थाने तक भी पहुंचा था, लेकिन दोनों परिवारों के बीच विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। घटना के दौरान साहिल ने जितेंद्र के छोटे भाई गणेश वंशकार को जरूरी बात करने के बहाने गांव के मुक्तिधाम के पास बुलाया। गणेश वहां पहुंचा तो साहिल और उसके कुछ साथी पहले से मौजूद थे। आरोप है कि इसके बाद साहिल ने गणेश पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गणेश के पेट और पीठ पर करीब तीन वार किए गए। चाकू के हमले में गंभीर रूप से घायल गणेश मौके पर ही गिर गया। बताया जा रहा है कि उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद साहिल और उसके साथी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मझगवां पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों को शांत कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। हत्या की जानकारी फैलते ही गांव में मातम और तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने घटना के संबंध में साहिल और उसके साथियों के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस पुरानी रंजिश और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार घटना के पीछे करीब एक वर्ष से चले आ रहे पारिवारिक विवाद को मुख्य कारण माना जा रहा है। जांच के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि हत्या की साजिश में कितने लोग शामिल थे और वारदात से पहले आरोपियों ने किस तरह गणेश को मुक्तिधाम के पास बुलाया। घटना के बाद गांव में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या की पूरी परिस्थितियां स्पष्ट होंगी। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ मामले की जांच में जुटी है।

284 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने चंडी माता मंदिर के पास कार्रवाई करते हुए एक युवक को 284 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की कीमत करीब 14 हजार 200 रुपये है। आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ संबंधी कानून के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है। ग्वारीघाट थाना प्रभारी कन्हैया बघेल ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान बादशाह हलवाई मंदिर के पास चंडी माता मंदिर के समीप एक युवक कपड़े का थैला लेकर दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह इधर-उधर जाने लगा, जिससे उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस टीम ने युवक की घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम पवन अहिरवार, पिता स्वर्गीय गरीबदास अहिरवार, उम्र 18 वर्ष, निवासी चंडी माता मंदिर के पास बादशाह हलवाई मंदिर, ग्वारीघाट बताया। इसके बाद पुलिस ने उसके पास रखे कपड़े के थैले की तलाशी ली। तलाशी के दौरान थैले के अंदर मादक पदार्थ गांजा मिला। पुलिस ने गांजे को जब्त कर उसकी तौल कराई, जिसमें कुल 284 ग्राम गांजा पाया गया। पुलिस के अनुसार जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 14 हजार 200 रुपये है। पुलिस ने गांजा जब्त करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और परिवहन से संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी गांजा कहां से लेकर आया था और इसे आगे कहां पहुंचाने की तैयारी थी। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह एवं अखिलेश सिंह तथा सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर सिंह ने आगामी मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान और सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत संवाद संपर्क केंद्र के पोर्टल की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि पोर्टल पर कार्यक्रमों के फोटो, वीडियो और गतिविधियों से संबंधित प्रविष्टियां दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने अभियान के अंतर्गत जनसेवा से जुड़ी प्रेरणादायक सेवा की कहानियां तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लोगों की सफलता की कहानियों को भी सामने लाया जाए। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरे सपनों का भारत विषय पर आयोजित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता की भी समीक्षा की गई। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गतिविधियां आयोजित करने के लिए कैलेंडर तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने वन ग्राम एवं राजस्व ग्राम से संबंधित प्रकरणों से जुड़े मामलों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा के दौरान सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को कार्ययोजना और प्रगति की रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर सिंह ने छात्रावासों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, भोजन की गुणवत्ता और अन्य व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण करने तथा छात्रावास अधीक्षकों एवं छात्र नायकों के साथ बैठकें आयोजित कर विद्यार्थियों की समस्याओं की भी जानकारी ली जाए। कलेक्टर सिंह ने एल्गिन अस्पताल में जल आपूर्ति, पाइपलाइन डालने, जनरेटर, बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्था की समीक्षा की गई।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर अज्ञात युवक की मौत, जीआरपी ने पहचान के लिए जारी की सूचना

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर एक अज्ञात युवक की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 23 वर्ष बताई जा रही है। युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। जीआरपी थाना जबलपुर ने मर्ग क्रमांक 44/2026, धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना 20 सितंबर 2026 की शाम लगभग 7:30 बजे से पहले की है। रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर एक युवक को मिर्गी का दौरा आने के बाद गंभीर अवस्था में उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल जबलपुर में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। युवक की पहचान नहीं होने के कारण जीआरपी पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई करते हुए उसकी पहचान और मौत से संबंधित परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस



ने मृतक के परिजनों की तलाश के लिए उसके हुलिए और कपड़ों से संबंधित जानकारी भी सार्वजनिक की है। पुलिस के मुताबिक मृतक ने काली शर्ट पहनी हुई थी, जिस पर सफेद रंग की लाइन और फूल बने हुए थे। उसने मेहंदी रंग का फूल वाला लोअर तथा आसमानी नीले पट्टे वाली चड्डी पहन रखी थी। मृतक की पहचान में उसके शरीर पर बना एक विशेष निशान महत्वपूर्ण हो सकता है। पुलिस के अनुसार उसके दाहिने हाथ पर गोदना बना हुआ है, जिसमें RATAN और RUBI लिखा हुआ है। इसी गोदने के साथ दिल का निशान भी बना हुआ है। पुलिस को आशंका है कि यह निशान मृतक की पहचान स्थापित करने में महत्वपूर्ण सुराग साबित हो सकता है। जीआरपी थाना जबलपुर द्वारा मृतक के परिजनों और परिचितों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उपरोक्त हुलिए और पहचान संबंधी निशान से किसी युवक की पहचान होती है अथवा उसके परिवार या परिचितों के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल जीआरपी पुलिस को सूचित करें। मामले की जांच प्रधान आरक्षक कमलभान सिंह एवं प्रधान आरक्षक गोपाल सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों से मोबाइल नंबर 7049151241, 7049150776 और 7049151172 पर सूचना देने की अपील की है। जीआरपी पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान होने के बाद ही उसके परिवार तक सूचना पहुंचाई जा सकेगी। फिलहाल पुलिस द्वारा मर्ग प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई और जांच की जा रही है।

एचआरसी कंपनी के वाहन ने मवेशियों को कुचला, भाजपा कार्यकताओं ने पुल पर धरना देकर किया चक्काजाम

कार्रवाई व मुआवजे की मांग



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। हिंदुस्तान पावर लिमिटेड जैतहरी से निकलने वाली फ्लाई ऐश के परिवहन में लगे एचआरसी कंपनी के वाहन से सोमवार, 21 सितंबर 2026 की सुबह भालूमाड़ा स्थित केवई नदी पुल पर विचरण कर रहे मवेशियों के कुचलने की घटना सामने आई। घटना के बाद वाहन मौके से फरार हो गया। हादसे में घायल मवेशी सड़क पर पड़े रहे और जीवन-मौत के बीच संघर्ष करते नजर आए। घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय जनता पार्टी मंडल पसान के कार्यकताओं में आक्रोश फैल गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, अभिषेक सिंह विकी अब्दुल कलाम सौरभ सिंह अजय यादव सचिन जायसवाल अमीन अहमद भारत मंगोलिया सोनू सिंह बाहुबली सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने मौके पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कार्यकताओं ने घटना के विरोध में केवई नदी पुल के ऊपर सड़क पर चक्काजाम कर दिया। धरना दे रहे भाजपा कार्यकताओं की मांग है कि मवेशियों को कुचलने वाले वाहन की पहचान कर उसके चालक एवं संबंधित कंपनी के जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही घायल एवं प्रभावित मवेशियों के उपचार तथा उनके मालिकों को नियमानुसार उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। मौके पर पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि फ्लाई ऐश परिवहन में लगे वाहनों की तेज गति एवं लापरवाही पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कार्यकताओं ने मांगों के निराकरण तक धरना जारी रखने की बात कही।



25 हजार का अवैध मादक पदार्थ गाँजा जब्त, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। बिजुरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के तस्करों के विरुद्ध एक प्रभावी और सफल कार्रवाई की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी के कब्जे से 2 किलो 345 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 25,000 रुपये है। मुखबिर द्वारा विश्वसनीय सूचना मिली कि ठाकुर बाबा धाम (लोहसरा) के पास बरगद के पेड़ के नीचे चबूतरे पर एक व्यक्ति काले बैग में मादक पदार्थ गांजा लेकर बैठा है। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस स्टाफ और साक्षियों के साथ मौके पर पहुँचकर देखा गया तो एक व्यक्ति काला बैग लिए बैठा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह बैग सहित झाड़ियों की तरफ भागने लगा, जिसे पुलिस बल द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम बबलू बेनिया (पिता निलंबर बेनिया, उम्र 44 वर्ष, मूल निवासी- बक्सी तुलसी पाली, थाना जूनागढ़, जिला कालाहांडी, ओडिशा, हाल निवासी- वार्ड नं. 07, पड़रीपानी, बिजुरी) बताया। आरोपी के पास मौजूद काले रंग के बैग की तलाशी लेने पर उसके अंदर हरी सूखी पत्तियां, डंठल और बीजयुक्त मादक पदार्थ गांजा पाया गया, जिसे आरोपी ने गांजा होना स्वीकार किया। गांजे का कुल वजन 02 किलो 345 ग्राम पाया गया। जिसे जब्त करके एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20() के तहत मामला पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया और विवेचना में लिया गया।



चित्रकला प्रदर्शनी व भाषण प्रतियोगिता में छात्रों को किया सम्मानित

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग व्दारा जिले के समस्त विद्यालयों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों व्दारा बनाई गई। चित्रकला पेटिंग्स की प्रदर्शनी का अवलोकन जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों ने किया । इसी क्रम में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओ के विजेताओ को पुरस्कृत भी किया गया। विद्यार्थियों व्दारा प्रस्तुत कलाकृतियां उनके अथक मेहनत , रचनात्मकता तथा विकसित भारत के प्रति उनके उत्साह और संकल्प को दशार्ती है। विद्यार्थियों के प्रयासो की उपस्थिति जनों ने सराहना की तथा अपेक्षा की , कि उनकी प्रतिभा और क्षमता का लाभ उन्हें आने वाले समय में भी मिलेगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र बडकरे, कौशल विश्वकर्मा, विश्वजीत पांडेय , श्रीमती अमृत शर्मा सहित शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रहे।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो महिलाएं घायल, एक के पैर में गहरा घाव, अस्पताल में चल रहा है इलाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। अमरकंटक तिराहा से जैतहरी की ओर जाने वाले मार्ग पर सोमवार दोपहर सड़क हादसे में बाइक सवार दो महिलाएं घायल हो गईं। खेड़िया पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों महिलाओं को चोटें आई हैं, जबकि एक महिला के चेहरे और पैर में गंभीर चोट बताई जा रही है। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल अनूपपुर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक श्यामकली (32) निवासी मैनपुर, जनकपुर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ़) अपनी बड़ी बहन मुन्नी बाई (55) निवासी कदौरी, जैतपुर, शहडोल के साथ गौरेला क्षेत्र के डोंगरीटोला में अपनी बेटी के ससुराल गई थीं। दोनों शनिवार को वहां पहुंची थीं और सोमवार को अनूपपुर रेलवे स्टेशन आने के लिए रवाना हुई थीं। दोनों महिलाओं को स्टेशन छोड़ने के लिए उनके दामाद का भाई बाइक से अनूपपुर की ओर ला रहा था। दोपहर करीब 12 बजे



खेड़िया पेट्रोल पंप के पास सामने से अथवा पीछे से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों महिलाएं सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। हादसे में मुन्नी बाई के चेहरे पर गंभीर चोट आई है। उनके दाएं पैर के घुटने में भी गहरा घाव हुआ है, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में अंदरूनी चोटें होने की बात सामने आई है। वहीं श्यामकली के चेहरे और हाथ की कोहनी में चोट लगी है। हादसे के बाद कार सवारों ने घायल महिलाओं को अपनी कार से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचाने के बाद कार सवार वाहन लेकर वहां से निकल गए। घटना के संबंध में फिलहाल पुलिस की कार्रवाई और कार की पहचान को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों घायल महिलाओं का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

शिक्षा का स्तर खराब पर कलेक्टर ने प्रधानाध्यापक को व 9 माह से गैरहाजिर आरक्षक को एसपी ने किया निलंबित

दोनो नियमो की उड़ा रहे थे धज्जियां



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। विद्यालय में छात्रों की कम उपस्थिति और शिक्षा का स्तर बेहद कमजोर मिलने पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया, तो दूसरी तरफ करीब नौ महीने से अनधिकृत रूप से गैरहाजिर चल रहे आरक्षक पर एसपी डॉ. संजय अग्रवाल ने कार्रवाई करते हुए उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जनपद पंचायत सोहागपुर के शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पटासी के प्रधानाध्यापक एवं माध्यमिक शिक्षक सौरभ कुमार गुप्ता के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। निलंबन आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में ग्रामवासियों और जनप्रतिनिधियों ने शिकायत की थी कि शिक्षक विद्यालयीन समय पर स्कूल नहीं पहुंचते और शिक्षा का स्तर भी अपेक्षित नहीं है। शिकायत के बाद कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने स्वयं विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रों की उपस्थिति कम और शैक्षणिक गुणवत्ता अत्यंत न्यून पाई गई। आदेश में कहा गया है कि प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय संचालन और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक प्रयास नहीं किए जा रहे थे। इसके बाद कलेक्टर ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, गोहपारू निर्धारित किया गया है। इधर पुलिस विभाग में आरक्षक क्रमांक 247 नीलेश पटारिया के खिलाफ कार्रवाई हुई है। एसपी डॉ. संजय अग्रवाल के आदेश के मुताबिक आरक्षक 19 दिसंबर 2025 से लगातार अनधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहा था, 18 सितंबर को पुलिस लाइन शहडोल में उपस्थित होने पर उसकी वर्दी और वेशभूषा भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। आदेश में यह भी उल्लेख है कि पूर्व में उसे बुनियादी प्रशिक्षण के लिए पुलिस प्रशिक्षण शाला तिगरा, जिला ग्वालियर भेजने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन वह प्रशिक्षण में भी उपस्थित नहीं हुआ। पुलिस रेगुलेशन के प्रावधानों के तहत इसे अनुशासनहीनता मानते हुए आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।



खुले में मछली विक्रय करना पड़ा भारी, छह दुकानदारों पर 1,500 रुपये का जुमार्ना

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। सेवा ही संकल्प अभियान-2026 के तहत नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देशन में खुले में मछली विक्रय करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। नगर पालिका की टीम ने भूसा तिराहा सोहागपुर के पास खुले में मछली विक्रय करने वाली दुकानों को बंद कराया। इसके साथ ही न्यू बस स्टैंड के पास बिना ढके खुले में मछली विक्रय करने वाले छह दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 1,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को स्वच्छता बनाए रखने, मछली एवं अन्य खाद्य सामग्री को ढककर रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने की समझाइश दी गई। नगर पालिका अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई में स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, भूपेश कोहरे, दुर्गेश गुप्ता, संतोष लखेरा, अंकुश सेन एवं फायर टीम की सहभागिता रही। नगर पालिका परिषद ने नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की है कि वे अपने घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा निर्धारित कचरा संग्रहण वाहन में ही डालें तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं। स्वच्छ एवं सुंदर शहडोल के निर्माण में नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

बोलेरो से 60 किलो चांदी की बरामदगी पर, पुलिस की कार्यवाही पर उठे सवाल, उच्चस्तरीय जांच की मांग



दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। चंदिया थाना क्षेत्र में एक संदिग्ध बोलेरो वाहन से कथित तौर पर करीब 60 किलो चांदी मिलने और बाद में उसका कोई स्पष्ट रिकॉर्ड सामने नहीं आने के आरोप ने पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले को लेकर चंदिया निवासी प्रमोद तिवारी ने मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन और पुलिस अधीक्षक उमरिया को लिखित शिकायत भेजकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग भी उठाई है। प्रमोद तिवारी के अनुसार, तत्कालीन चंदिया थाना प्रभारी ज्योति शुक्ला अपने पति अनुभव शुक्ला के साथ क्षेत्र में भ्रमण पर थीं। इसी दौरान नायरा पेट्रोल पंप के समीप उत्तर प्रदेश नंबर की एक बोलेरो संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई दी। शिकायत में दावा किया गया है कि पुलिस वाहन को देखकर बोलेरो में मौजूद लोग मौके से भाग निकले। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इसके बाद अनुभव शुक्ला द्वारा बोलेरो का कांच तोड़कर वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन के अंदर बड़ी मात्रा में चांदी मिलने की बात कही गई है। शिकायत के मुताबिक, कथित तौर पर बरामद चांदी को वाहन से निकाल लिया गया और बोलेरो को चंदिया थाना परिसर लाया गया। पूरे मामले में शिकायतकर्ता ने सबसे महत्वपूर्ण सवाल कथित चांदी की बरामदगी की कानूनी प्रक्रिया को लेकर उठाया है। उनका कहना है कि यदि वास्तव में लगभग 60 किलो चांदी पुलिस के सामने बरामद हुई थी तो उसकी विधिवत जब्ती, पंचनामा, वजन एवं मालखाने में जमा कराने जैसी कार्रवाई का रिकॉर्ड होना चाहिए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों को बाद में वाहन से केवल मामूली सामग्री मिलने की जानकारी दी गई। प्रमोद तिवारी ने यह भी सवाल उठाया है कि इतनी बड़ी मात्रा में चांदी यदि पुलिस की कार्रवाई के दौरान सामने आई थी तो उसका सरकारी रिकॉर्ड में उल्लेख क्यों नहीं है। वहीं बोलेरो में सवार बताए जा रहे लोगों की गिरफ्तारी अथवा उनसे पूछताछ नहीं होने को लेकर भी शिकायतकर्ता ने सवाल खड़े किए हैं।

अवैध रेत उत्तखनन व परिवहन पर पुलिस ने 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली किया जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने देवलोंद और जैतपुर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए रेत से लदी चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस को देखकर कई चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। देवलोंद थाना पुलिस को झिरिया क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी जिया उल हक ने तत्काल टीम को मौके पर भेजा। पुलिस को देखकर चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग गया। पीछा करने के बावजूद वह पकड़ में नहीं आया। इसके बाद झिरिया दादर के पास भी रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई, जिसका चालक पुलिस को देखकर फरार हो गया। दोनों वाहनों को जब्त कर थाने लाया गया और अज्ञात चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जैतपुर थाना पुलिस ने गाड़ाघाट और तितरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन में लगे दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कीं। पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। एसपी के निर्देश पर लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध रेत कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति है। बीते दिनों ब्यौहारी पपौंध में भी कार्यवाही देखने को मिली थी।

संपादकीय

यह रोजगार जीरे समान

हमें 2013-14 का परिदृश्य याद आ रहा है। तब नरेन्द्र मोदी भाजपा के प्रधानमंत्री उम्मीदवार थे। वह दौर भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी का था। कमोबेश महंगाई और बेरोजगारी आज भी प्रबल हैं। बहरहाल 2014 में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मोदी ने देश को आश्वासन दिया था कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनी, तो सालाना 2 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाएंगे। देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? यह सवाल हम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अनचाही, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है, यह सरकार का ही आंकड़ा है। दरअसल भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया था कि 5 साल में 70 लाख रोजगार (नौकरी समेत) दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां (क्या रोजगार भी?) दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे। इन रोजगारों का कुल जोड़ किया जाए, तो यह 70 लाख की तुलना में ऊंट के मुंह में जीरा समान है। उप्र सरकार ने अभी जो रोजगार मेला आयोजित किया था, उसमें सिर्फ 818 नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए। सरकार के पास मुश्किल से 4 महीने बचे हैं। उसके बाद चुनाव घोषित हो जाएंगे और आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। नौकरियां कैसे देंगे? चूंकि उप्र विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल, 2027 में होना है और भाजपा के लिए यह चुनाव जीतना नाक और सम्मान का सवाल है, लिहाजा प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, प्रवक्ता और मुख्यमंत्री जेन-जी के प्रति प्यार, प्रतिबद्धताएं उंडेल रहे हैं। जेन-जी और अपेक्षाकृत कुछ ज्यादा उम्र के युवाओं के रोजगार का यथार्थ यह है कि बजट में जिस पीएम इंटर्नशिप योजना की ढोल पीटते हुए घोषणा की गई थी, उसके तहत 16,614 युवाओं को ही इंटर्नशिप नसीब हुई है, जबकि योजना के मुताबिक, करीब 3.68 लाख युवाओं को यह अवसर मिलना चाहिए था। कारण, फासले, विसंगतियां प्रधानमंत्री या वित्त मंत्री ही जानते होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की झंडेदार योजनाओं में कौशल विकास भी शामिल रही है। 2015-26 के दौरान कुल 4.73 करोड़ के करीब युवाओं के पंजीकरण, प्रशिक्षण और उन्हें प्रमाण-पत्र दिए जाने की स्थिति सामने आई है, लेकिन उनमें से सिर्फ 21.84 लाख को ही नौकरी, रोजगार प्राप्त हो सके हैं। सरकार के लिए यह आंकड़ा भी गुलगुलाने वाला होगा! सवाल किया जा सकता है कि क्या शेष 4 करोड़ से अधिक युवा कौशलहीन थे? उनके रोजगार का क्या हुआ? क्या यह योजना भी नाकाम रही है? अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी निजी है, लेकिन उसकी प्रतिष्ठा और स्तर मायनेदार हैं। उसका अध्ययन और सर्वेक्षण है कि 2004-23 के बीच देश में करीब 50 लाख युवा स्नातक बने। यानी डिग्रीधारी बने, लेकिन उनमें से करीब 28 लाख को ही रोजगार मिला। वह रोजगार कैसा था, योग्यता के मुताबिक था अथवा नहीं, फिलहाल इसे छोड़ दीजिए। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय के ही आंकड़े हैं कि देश में 29.4 फीसदी डिग्री या डिप्लोमा धारक युवा बेरोजगार हैं। यह यथार्थ इतिहास-जैसा असीमित है। हमने कुछ बिंदु छुए हैं। फिर आग्रह करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान दें, सोचें, अमल करें। रोजगार की समस्या हल होने से कई और समस्याएं भी हल हो जाती हैं।

ब्रिक्स के जरिए लाभान्वित होगा भारत

भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारत को सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे अति आधुनिक क्षेत्रों (डीप-टेक) में अनुसंधान और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने होंगे। इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रहे राष्ट्रीय और वैश्विक विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत के लिए बहुआयामी आर्थिक उपयोगिताएं मिली हैं। इस ऐतिहासिक सम्मेलन ने न केवल भारत की साख को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए भारत के आर्थिक विकास का एक सुदृढ़ और विस्तृत खाका भी तैयार किया है। इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत ने दुनिया के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों के सामने अपनी आर्थिक स्थिरता, नीतिगत निरंतरता और बाजार की असीम क्षमताओं का प्रभावी प्रदर्शन किया है। सम्मेलन ने भारतीय बाजार के लिए बहुराष्ट्रीय व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) के पुनर्गठन तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के क्षेत्र में असीम संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। इस 18वें ब्रिक्स सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा कि भारत अब वैश्विक आर्थिक नीतियों और वित्तीय संरचना के निर्धारण में एक निर्णायक नीति-निमार्ता तथा ग्लोबल साउथ की सशक्त और भरोसेमंद आवाज बनकर उभरा है।



सम्मेलन के दौरान वैश्विक वित्तीय प्रणालियों के लोकतंत्रीकरण पर विशेष बल दिया गया, जिसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमरीकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को धीरे-धीरे कम करने और सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं (लोकल करंसीज) में द्विपक्षीय व बहुपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी। स्थानीय मुद्रा में आयात-निर्यात के लेन-देन से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुस्तरीय आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे।

इससे न केवल भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बना रहने वाला अनावश्यक दबाव काफी हद तक कम होगा, बल्कि वैश्विक बाजार में मुद्रा विनिमय (करंसी कन्वर्जन) के दौरान होने वाली अतिरिक्त वित्तीय लागत में भारी बचत होगी। परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय वस्तुएं और सेवाएं अधिक मूल्य-प्रतिस्पर्धी (कॉस्ट कंपैटिटिव) बन सकेंगी, जिससे देश के कुल निर्यात में क्रांतिकारी उछाल आने की पूरी संभावना है। आर्थिक मोर्चे पर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों को ब्रिक्स के साझेदार देशों- ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका तथा नए शामिल हुए सदस्य देशों से आने वाले पूंजीगत निवेश और उच्च तकनीक से अभूतपूर्व संबल प्राप्त होने जा रहा है। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक नियमों, सीमा शुल्क (कस्टम्स ड्यूटीज) की प्रक्रियाओं और विनियामक अनुपालनों में सरलीकरण लाने पर बनी सहमति से भारत में मैन्युफैक्चरिंग, भारी उद्योग, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में एक क्रांति का सूत्रपात होगा। वैश्विक कंपनियों द्वारा अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविधता देने और भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की रणनीति से देश में न केवल नए औद्योगिक गलियारों का निर्माण होगा, बल्कि बुनियादी ढांचे का भी अभूतपूर्व कायाकल्प होगा। इसके अतिरिक्त भारत ने अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और ई-गवर्नेंस मॉडल्स के सफल प्रयोगों से दुनिया भर में जो धाक जमाई है, उसे अब ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों और अफ्रीकी व एशियाई महाद्वीपों की उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निर्यात करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे भारत का टेक-निर्यात बढ़ेगा और देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को एक वैश्विक पहचान और नई वित्तीय ताकत प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच भी चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 7.8 प्रतिशत की आश्चर्यजनक और मजबूत जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की है। यह साबित करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्विक मंदी का प्रभाव न्यूनतम रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां एक ओर दुनिया भर में व्यापार की बाधाएं बढ़ रही हैं, वहीं भारत विभिन्न देशों के बीच इकोनॉमिक ब्रिजेज बना रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2014 से लेकर अब तक भारत ने लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी सप्लाई चेन को अधिक विविध और विश्वसनीय बनाया है। इसी मजबूती और लचीलेपन के कारण भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी दुनिया को विकास और स्थिरता का भरोसा दे रहा है। प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया पर जोर देते हुए भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की बात कही। भारत के यूपीआई जैसे डिजिटल पेमेंट्स और ओपन इकोसिस्टम ने वित्तीय समावेशन और रियल-टाइम ट्रांजैक्शन को नई गति दी है, जिसे आज दुनिया के कई देश अपना रहे हैं। साथ ही, भारत राजनीतिक स्थिरता, पूर्वानुमानित नीतियों और व्यापार-अनुकूल सुधारों की बदौलत दुनिया की सबसे खुली और निवेश-अनुकूल अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है। निःसंदेह पूरी दुनिया में आर्थिक चुनौतियों के बीच बढ़ती हुई भारतीय अर्थव्यवस्था की अहमियत को स्वीकार किया जा रहा है। देश की इस सुदृढ़ स्थिति को स्वीकार करते हुए हाल ही में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी जापानी क्रेडिट रेटिंग ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बीबीबी प्लस से बढ़ाकर ए माइनस की उत्कृष्ट श्रेणी में अपग्रेड कर दिया है। रेटिंग में किया गया यह सुधार भारत की मजबूत आंतरिक खपत मांग, सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे बुनियादी ढांचागत पूंजीगत व्यय (पब्लिक कैपेक्स) और देश की सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के अटूट विश्वास पर एक मजबूत मुहर लगाता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 11 सितंबर तक भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 780.78 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर है। विदेशी मुद्रा भंडार की यह वित्तीय ढाल भारत को वैश्विक वित्तीय झटकों, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार के उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों में होने वाली अचानक वृद्धि से पूर्ण सुरक्षा और संप्रभुता प्रदान करती है। इसके साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपनाए गए सख्त राजकोषीय अनुशासन के कारण देश का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.4 प्रतिशत के सुरक्षित स्तर पर आ गया है। निश्चित रूप से 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए आर्थिक और कारोबारी दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन से उत्पन्न हुए इन अभूतपूर्व अवसरों का शत-प्रतिशत लाभ उठाने और अर्थव्यवस्था को निरंतर 7.8 प्रतिशत से अधिक की तीव्र विकास दर पर बनाए रखने के लिए भारत को अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक प्राथमिकताओं पर तीन तरह से पूरी तत्परता से काम करना होगा। पहला, ब्रिक्स देशों के केंद्रीय बैंकों के साथ मिलकर स्थानीय मुद्रा व्यापार के निष्पादन के लिए एक पारदर्शी और कुशल क्लियरिंग हाउस मैकेनिज्म की स्थापना करनी होगी ताकि व्यापारियों को विनिमय दर के जोखिमों से बचाया जा सके। दूसरा, भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारत को सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे अति आधुनिक क्षेत्रों (डीप-टेक) में अनुसंधान और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स साझेदारों के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करने होंगे। तीसरा, भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आधुनिक तकनीक, सस्ता संस्थागत ऋण और वैश्विक बाजार तक पहुंच प्रदान कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला से जोड?ा होगा।

राशिफल

मेष राशि :- आशानुकूल सफलता का संतोष होगा तथा सफलता के साधन अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- समय आराम से बीतेगा, व्यवसायिक क्षमता का ध्यान अवश्य रखें, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहेगा, किन्तु इष्ट मित्रों से परेशानी बनेगी, कार्य पर ध्यान दें।

कर्क राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, कार्य समय पर निपटा लें।

सिंह राशि :- प्रतिष्ठा वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

कन्या राशि :- संघर्ष से सफलता, व्यवसायिक क्षमता से संतोष, आशानुकूल लाभ से हर्ष होगा।

तुला राशि :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- सामाजिक कार्य में सुधार, कार्यगति में अनुकूलता बनेगी, इष्ट मित्र सुखवर्धक रहेगा।

धनु राशि :- अचानक शुभ समाचार प्राप्ति से कार्यगति में सुधार होगा, चिन्तायें कम होंगी।

मकर राशि :- कार्य स्थिति यथावत रहेगी, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, कार्य समय पर करें।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, शारीरिक कष्ट एवं चिन्ता, असमंजस की स्थिति बनेगी।

मीन राशि :- इष्ट मित्र सहायक होगा, दैनिक कार्यगति अनुकूल होगी, समय स्थिति का ध्यान अवश्य रखें।

सुबह उठते ही पानी पीने से बेहतर होगा Morning Hydration, थकान और सुस्ती होगी दूर



क्या आप जानते हैं कि सुबह की शुरूआत पूरे दिन के मूड और रूटीन को प्रभावित करती है। ऐसे में कुछ लोग सुबह उठते ही फोन को देखने या चाय-कॉफी पीने की आदत रखते हैं, बल्कि एक छोटी-सी आदत शरीर को दिन की शुरूआत में बेहतर हाइड्रेशन देने में मदद कर सकती है। सुबह उठते ही पानी पीना काफी जरुरी है। रातभर सोने के दौरान शरीर को पानी नहीं मिलता है, इसलिए सुबह उठते ही पानी पीने से दैनिक तरल जरुरतों को पूरा करने की दिशा में एक आसान कदम है। दरअसल, सुबह का पानी कोई जादुई उपाय नहीं है, जो अचानक त्वचा को चमकदार या मूड को पूरी तरह से बदल देता है। हालांकि पानी पीना शरीर के सामान्य कामकाज के लिए काफी जरुरी है और डिहाइड्रेशन से बचने में मदद करता है। शरीर में पानी की कमी होती है, तो थकान, सिरदर्द या सुस्ती जैसी समस्या महसूस होती है। इसलिए साधारण पानी से ही शुरूआत की जा सकती है। यदि आप सुबह-सुबह पानी पीने की आदत नहीं है, तो धीरे-धीरे इसे दिनचर्या में एड कर सकते हैं।

सुबह उठकर पानी पीना क्यों है फायदेमंद?

सोने के कई घंटों के दौरान शरीर पानी नहीं लेता। अगर आप सुबह पानी पीना शरीर की दैनिक हाइड्रेशन की जरुरतों को पूरा करने में सहायक है। वहीं पर्याप्त पानी पीने से तापमान को नियंत्रित करने, पोषक तत्वों के परिवहन और सामान्य शारीरिक प्रक्रियाओं के लिए जरुरी है।

क्या मॉर्निंग हाइड्रेशन से स्किन ग्लो करती है?

अगर आप यह सोचते हैं कि पानी पीने से स्किन रातों-रात ग्लोइंग बन जाएगी, तो यह उपाय नहीं है। इसके लिए आपको पर्याप्त हाइड्रेशन शरीर के सामान्य हेल्थ के लिए काफी जरुरी है और त्वचा की सामान्य कार्यप्रणाली को भी समर्थन देता है। यदि आपकी त्वचा रुखी या बेजान लग रही है, तो सिर्फ पानी पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद, मॉइस्चराइजर और दिन में सनस्क्रीन लगाएं।

मूड और सुबह की सुस्ती से क्या है नाता?

कई बार पानी की कमी होने से कुछ लोगों को थकान, सुस्ती या सिरदर्द महसूस हो सकता है। ऐसे में सुबह पानी पीना हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही सुबह थोड़ी प्राकृतिक रोशनी लेना, हल्की शारीरिक गतिविधि करना और नियमित नींद का समय रखना भी दिन की शुरूआत को बेहतर बना सकता है।

रंग बिरंगे परिधानों में मनाई राधा अष्टमी



जबलपुर। नव शक्ति महिला मंडल शक्ति नगर द्वारा त्योहारों के माह में राधा अष्टमी का उत्सव मनाया गया। शक्ति नगर में आयोजित कार्यक्रम में बाल कृष्ण के बाल रूप में रुशांक महाजन और राधा रानी के बाल रूप के किरदार में शानवी राज ने भाग लिया और दोनों ने अपनी वेशभूषा से सभी का मन मोह लिया। महिलाएं रंग बिरंगे ड्रेस कोड में शामिल हुईं। आयोजन में प्रीति श्रीवास्तव, कल्पना महाजन , प्रतिभा खन्ना, प्रभा विश्वकर्मा, नीता सिजारिया, प्रीति श्रीवास्तव, काजल तिवारी प्रेमलता गांठे सोनू राजपूत , नीलम झा, राज लक्ष्मी पांडे, नीलम प्रसाद, दिशा शर्मा, प्रीति सिंह मीनू लाल,प्रीति तिवारी,अर्चना राठौर, अर्चना उपाध्याय, तृप्ति गुप्ता, गीता बड़गईंया ,नीलम कौशिक, नीतू महाजन, अर्चना जायसवाल,रुचिका महाजन,योगिता आहूजा, नीरा कोहली, रुशांक महाजन, गर्वित आहूजा, और अयांश कोहली आदि की उपस्थिति रही।

कल मनायी जायेगी मां भुवनेश्वरी जयंती

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद शुक्ल द्वादशी के दिन भुवनेश्वरी जयंती मनाई जाती है। देवी भुवनेश्वरी दस महाविद्याओं में से चतुर्थ महाविद्या हैं। मां भुवनेश्वरी शक्ति का आधार हैं तथा प्राणियों का पोषण करने वाली हैं। मां भुवनेश्वरी जी की जयंती इस बार 23 सितंबर के दिन मनाई जाएगी। देवी भुवनेश्वरी को भुवनेश्वर रुद्र की शक्ति के रूप में वर्णित किया गया है। देवी भुवनेश्वरी अपने भक्तों को अभय सहित नाना प्रकार की सिद्धियां प्रदान करती हैं। गृहस्थजन, संतान प्राप्ति की कामना से देवी भुवनेश्वरी की आराधना करते हैं। देवी पुराण में प्राप्त वर्णन के अनुसार, मूल प्रकृति ही स्वयं देवी भुवनेश्वरी के रूप में विद्यमान है। देवी भुवनेश्वरी को वामा, ज्येष्ठा एवं रौद्री आदि नामों से भी संबोधित किया जाता है। ये देवी स्वयं ही शताक्षी एवं शाकंभरी देवी के रूप में विराजमान है। देवी भुवनेश्वरी संपूर्ण सृष्टि की अधिष्ठात्री देवी है, वह स्वयं ही संपूर्ण सृष्टि के रूप में विद्यमान है। देवी भुवनेश्वरी आदि शक्ति के रूप में भी लोकप्रिय है। देवी भुवनेश्वरी अपने भक्तों को संतान, धन, ज्ञान तथा सौभाग्य आदि प्रदान करती हैं। देवी भुवनेश्वरी मणिद्वीप पर निवास करती हैं। इनका स्वरूप कांति पूर्ण एवं सौम्य है। देवी अपने तेज से संपूर्ण सृष्टि को देदिप्यमान करती हैं। मां भुवनेश्वरी की साधना से शक्ति, लक्ष्मी, वैभव और उत्तम विद्याएं प्राप्त होती हैं। इन्हीं के द्वारा ज्ञान तथा वैराग्य की प्राप्ति होती है। इनकी साधना से सम्मान की प्राप्ति होती है। महानिर्वाण तंत्र में वर्णित है कि समस्त महाविद्याएं देवी भुवनेश्वरी की सेवा में तत्पर रहती हैं तथा सात करोड़ मंत्र देवी मां की उपासना में लीन रहते हैं। देवी भुवनेश्वरी जयंती कथा- देवी भागवत में प्राप्त वर्णन के अनुसार, एक समय दुर्गम नामक एक दैत्य ने अपने अत्याचारों से समस्त देवी-देवताओं को त्रस्त कर दिया। दुर्गम दैत्य के अधर्म से व्याकुल होकर देवताओं एवं ब्राह्मणों ने हिमालय पर्वत पर भगवती भुवनेश्वरी की आराधना की। देवताओं एवं ब्राह्मणों की आराधना से प्रसन्न होकर देवी स्वयं वहां बाण, कमल पुष्प तथा शाक, मूल आदि लिए हुए प्रकट हुई थीं। देवी मां ने नेत्रों से सहस्रों जल धाराएं प्रकट कर दीं, जिससे पृथ्वी लोक के समस्त प्राणी तृप्त हो गए। देवी माता के नेत्रों से उत्पन्न अश्रुधाराओं के कारण समस्त नदियों एवं समुद्रों में अथाह जल भर गया तथा समस्त पेड़-पौधे, जड़ी-बूटी तथा औषधीयों की सिंचाई हो गई। देवी भुवनेश्वरी ने दुर्गमासुर से युद्ध किया तथा उसे परास्त कर देवताओं पर आए घोर संकट का निवारण किया। दुर्गमासुर का अंत करने के कारण देवी भुवनेश्वरी देवी दुर्गा के नाम से प्रतिष्ठित हो गईं। श्री भुवनेश्वरी पूजा- मां भुवनेश्वरी की साधना के लिए कालरात्रि, ग्रहण, होली, दीपावली, महाशिवरात्रि, कृष्ण पक्ष की अष्टमी अथवा चतुर्दशी शुभ समय माना जाता है। लाल रंग के पुष्प, नैवेद्य, चंदन, कुमकुम, रुद्राक्ष की माला, लाल रंग इत्यादि के वस्त्र को पूजा-अर्चना में उपयोग किया जाना चाहिए। लाल वस्त्र बिछाकर चौकी पर माता का चित्र स्थापित करके पंचोपचार और षोडशोपचार द्वारा पूजन करना चाहिए।

मारुति सुजुकी ने ऑटो ग्रीन मिशन की शुरूआत की, ऑटोमैटिक S-CNG Swift, Dzire और Baleno पेश की



नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुजुकी), स्वच्छ और हरित मोबिलिटी की अग्रणी कंपनी, ने लोकप्रिय Swift, Dzire और Baleno के ऑटोमैटिक S-CNG मॉडल पेश करते हुए ऑटो ग्रीन मिशन की शुरूआत की है। यह नई रेंज, नए दौर के उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई, जो किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहते यह गाड़ियाँ ऑटोमैटिक ड्राइविंग की सुविधा के साथ बेहतरीन ईंधन दक्षता प्रदान करती है। इनमें से Dzire ऑटोमैटिक S-CNG 36.47 किमी/किग्रा की ईंधन दक्षता के साथ अब भारत की सबसे अधिक ईंधन-कुशल सेडान # बन गई है।मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में मार्केटिंग एंड सेल्स के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री पार्थो बनर्जी ने नई ऑटोमैटिक S-CNG रेंज पेश करते हुए कहा, "मारुति सुजुकी ने हमेशा अपने ग्राहकों की बात सुनी है। भारत के शहर तेजी से बढ़ रहे हैं, और नई पीढ़ी के ग्राहक चाहते हैं कि उन्हें ऑटोमैटिक कार की सुविधा मिले, लेकिन ट्रैफिक में माइलेज और परफॉर्मेंस से समझौता न करना पड़े। ऑटो ग्रीन मिशन के तहत, हमारी नई ऑटोमैटिक S-CNG रेंज आज के ऐसे ही ग्राहकों के लिए बनी है, जो दोनों चीजें एक साथ चाहते हैं। र्द्धा३, उ्रश्री और इंर्ल्लङ्घ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल हैं। ऑटोमैटिक S-CNG मॉडल की एंट्री से ग्राहकों की खुशी और बढ़ेगी, और ये पहले से लोकप्रिय कारें अब और भी दिल जीतेंगी।"

उन्होंने आगे कहा, हमारे S-CNG वाहनों की रेंज को ग्राहकों से अभूतपूर्व मांग मिल रही है। पर्यावरण के प्रति जागरूक ग्राहकों की अपेक्षाओं के चलते सभी सेगमेंट में पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को तेजी से स्वीकार किया जा रहा है। इस वर्ष की पहली तिमाही में, हमारे र-उठऋवाहनों की बिक्री पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 58% बढ़ी है। जुलाई में हमने एक महीने में 83,000 यूनिट्स की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक मासिक S-CNG बिक्री दर्ज की। ऑटोमैटिक S-CNG कारों की नई रेंज की पेशकश निश्चित रूप से भारत में स्वच्छ और हरित कारों की बढ़ती हिस्सेदारी में योगदान देंगी।

आज ही बनाएं अपनी खुद की न्यूज वेबसाइट
NEW WEBSITE
बने न्यूज वेबसाइट के मालिक..
NEWS
संपर्क करें 7415685293

सड़कों पर मौत का खेल! ओवरलोड ट्रकों के आगे बेबस प्रशासन.....

ग्रामीण अंचलों में धड़ल्ले से दौड़ रहे ओवरलोड ट्रक-डंपर, नियमों की उड़ रही है धज्जियां



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - जिले के चारों ओर दो दिन पहले मासूम की मौत ने खोली व्यवस्था की पोल ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है और इसके साथ ही हादसों का खतरा भी। क्षमता से अधिक माल लादे ट्रक और डंपर जिस रफ्तार से गांवों की सड़कों पर दौड़ रहे हैं, उसे देखकर ऐसा लगता है मानो यातायात नियम सिर्फ कागजों में रह गए हों। आम ग्रामीण, किसान, बच्चे और दोपहिया वाहन चालक इन भारी वाहनों के बीच अपनी जान हथेली पर रखकर सफर करने को मजबूर हैं।

करीब दो दिन पहले बड़े ट्रक की चपेट में आकर एक मासूम बच्चे की मौत ने इस पूरे मामले को झकझोर दिया है। एक घर का चिराग बुझ गया, परिवार उजड़ गया, लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा सवाल भी खड़ा हो गया—क्या प्रशासन अब भी जागेगा या अगली मौत का इंतजार किया जाएगा?

ओवरलोडिंग पर आंखें बंद क्यों....?

ग्रामीणों का आरोप है कि कई मार्गों पर भारी वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक माल लादकर परिवहन किया जा रहा है। सवाल यह है कि यदि ऐसे वाहन लगातार सड़कों पर चल रहे हैं तो उनकी जांच कौन कर रहा है? परिवहन विभाग की चेकिंग व्यवस्था कहां है?वजन की जांच कब हुई?ओवरलोड पाए गए वाहनों पर कितनी कार्रवाई हुई? और यदि कार्रवाई हुई तो फिर वही वाहन दोबारा सड़क पर कैसे दिखाई दे रहे हैं? इन सवालों के जवाब जिम्मेदार विभागों को देने होंगे।हादसा सिर्फ चालक की गलती है या सिस्टम की भी? किसी दुर्घटना के बाद पूरा दोष केवल चालक पर डालकर मामला खत्म कर देना आसान है। लेकिन सड़क सुरक्षा एक पूरी व्यवस्था है। वाहन की फिटनेस, निर्धारित भार क्षमता, परमिट, गति सीमा, सड़क की स्थिति और यातायात नियंत्रण—इन सभी की निगरानी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। यदि जांच में यह सामने आता है कि दुर्घटना से पहले नियमों का उल्लंघन हो रहा था और संबंधित विभागों को इसकी जानकारी या शिकायतें थीं, तो प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

आखिर वह कौन-सी व्यवस्था है जिसके सामने ओवरलोड ट्रक बेखौफ दौड़ रहे हैं?

ग्रामीण पूछ रहे—किसके संरक्षण में चल रहा खेल? स्थानीय स्तर पर भारी वाहनों के कथित नेटवर्क को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। कई लोग इसे 'ट्रक माफिया' का प्रभाव बताते हैं। हालांकि किसी व्यक्ति या समूह के खिलाफ ऐसा आरोप तभी तथ्य माना जा सकता है जब जांच अथवा आधिकारिक रिकॉर्ड से इसकी पुष्टि हो। लेकिन प्रशासन के लिए यह सवाल जरूर गंभीर है कि यदि ग्रामीण लगातार भारी वाहनों की शिकायत कर रहे हैं, तो उनकी शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई? क्या कुछ वाहनों पर चालान काट देना ही पर्याप्त है? या फिर पूरे नेटवर्क की जांच की जरूरत है?

मासूम की मौत के बाद भी अगर नहीं बदली व्यवस्था तो फिर कब बदलेगी...? एक मासूम की जिंदगी वापस नहीं लाई जा सकती। लेकिन उस हादसे से सबक लेकर भविष्य की मौतों को जरूर रोका जा सकता है। इसके लिए सिर्फ बयान नहीं, जमीन पर कार्रवाई चाहिए। ओवरलोड वाहनों की नियमित जांच हो। निर्धारित भार क्षमता से अधिक माल मिलने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई हो।वाहनों की फिटनेस और परमिट की जांच हो। संवेदनशील ग्रामीण मार्गों पर भारी वाहनों की निगरानी बढ़ाई जाए।तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई हो।दुर्घटना के कारणों की निष्पक्ष जांच हो।और यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही जांच में सामने आती है तो उसकी भी जवाबदेही तय हो। **क्या प्रशासन किसी और मासूम की मौत का इंतजार कर रहा है?** क्या ओवरलोड ट्रकों के खिलाफ नियमित कार्रवाई होगी या फिर हादसे के बाद दो दिन की औपचारिकता पूरी करके मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? ग्रामीणों की सुरक्षा किसी भी परिवहन कारोबारी के मुनाफे से बड़ी है। सड़क पर दौड़ने वाले हर भारी वाहन के पीछे किसी न किसी परिवार की जिंदगी जुड़ी है। अब वक्त सिर्फ कार्रवाई की घोषणा का नहीं, कार्रवाई दिखाई देने का है। अगर नियम तोड़ने वाले वाहन वास्तव में सड़कों पर दौड़ रहे हैं तो उन्हें रोकना होगा। अगर कहीं प्रशासनिक लापरवाही है तो उसे सामने लाना होगा।और अगर किसी संगठित नेटवर्क की भूमिका जांच में सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई करनी होगी।क्योंकि अगली खबर में फिर किसी मासूम की मौत का इंतजार करना व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता होगी।

पत्रकार पर हमले के बाद पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल,

चर्चाओं के बीच भी असली सूत्रधार तक नहीं पहुंची जांच

हमलावर पकड़ लिए, मगर मास्टरमाइंड पर कार्रवाई कब?



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- एक अखबार के मालिक एवं संपादक पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने हमलावरों को गिरफ्तार कर अपनी कार्रवाई जरूर दिखाई है, लेकिन घटना के पीछे की पूरी साजिश और हमले के कथित सूत्रधार तक कार्रवाई नहीं पहुंचने से अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के बाद से लगातार अलग-अलग तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। कोई हमले को किसी पुराने विवाद से जोड़कर देख रहा है तो कोई अखबार में प्रकाशित अलग-अलग खबरों को संभावित कारण मानकर अपने-अपने स्तर पर कयास लगा रहा है। स्थिति यह है कि बिना किसी आधिकारिक खुलासे के अलग-अलग लोगों के नामों को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। इन चर्चाओं का सच क्या है, यह पुलिस की जांच से ही सामने आ सकता है। लेकिन पुलिस की ओर से अब तक हमले के पीछे की वास्तविक वजह और कथित मास्टरमाइंड को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आने से असमंजस और बढ़ता जा रहा है।

पुलिस आखिर किसका इंतजार कर रही है?- सिवनी पुलिस गंभीर अपराधों में तेजी से कार्रवाई और बड़े-बड़े खुलासे करने के लिए अपनी उपलब्धियां सामने रखती रही है। ऐसे में सवाल यह है कि एक पत्रकार और अखबार के संपादक पर हुए हमले के मामले में जांच हमलावरों की गिरफ्तारी के बाद आगे क्यों नहीं बढ़ती दिखाई दे रही है? यदि पुलिस को हमले के पीछे किसी व्यक्ति की भूमिका को लेकर कोई ठोस जानकारी मिली है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कब होगी? और यदि अभी तक ऐसा कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है तो पुलिस को जांच की स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करनी चाहिए?

खबरों से नाराजगी भी जांच का हिस्सा बने- संबंधित अखबार में पंचायत से लेकर जिला पंचायत, विभागीय कार्यालयों से लेकर पुलिस विभाग तक, छोटे कर्मचारियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक से जुड़े समाचार प्रकाशित होते रहे हैं। इनमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की खबरें शामिल हैं। ऐसे में पुलिस को यह भी जांचना चाहिए कि क्या किसी प्रकाशित समाचार को लेकर किसी व्यक्ति में इतनी नाराजगी थी कि वह हमले की वजह बन सके। साथ ही व्यक्तिगत विवाद, पुरानी रंजिश और अन्य संभावित कारणों की भी जांच होनी चाहिए। किसी व्यक्ति का नाम केवल चर्चा या अनुमान के आधार पर सामने लाना उचित नहीं होगा। लेकिन पुलिस की जांच यदि वास्तविक अपराधी तक नहीं पहुंचती तो अफवाहों को रोकना भी मुश्किल होगा।**कार्रवाई में देरी से निर्दोष भी संदेह के घेरे में**- सबसे गंभीर स्थिति यह है कि लगातार चल रही चर्चाओं के कारण ऐसे लोगों की छवि भी प्रभावित हो सकती है जिनका इस घटना से कोई संबंध ही न हो। किसी व्यक्ति का नाम केवल इसलिए संदेह के घेरे में आना कि उसके बारे में कभी कोई समाचार प्रकाशित हुआ था, न तो उचित है और न ही न्यायसंगत।

इसीलिए पुलिस के लिए अब दोहरी जिम्मेदारी है— वास्तविक दोषियों तक पहुंचना और उन लोगों को संदेह से बाहर करना जिनके खिलाफ कोई तथ्य नहीं है। पत्रकार पर हमला सामान्य घटना नहीं है। यदि हमला समाचार प्रकाशित करने को लेकर हुआ है तो यह पत्रकारिता की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर मामला है। और यदि कारण व्यक्तिगत या कोई अन्य है तो उसे भी सामने आना चाहिए। हमलावर गिरफ्तार हो चुके हैं, अब सवाल यह है कि हमले की पूरी साजिश पर कार्रवाई कब होगी? शहर में चल रही चर्चाओं का अंत केवल तभी होगा, जब पुलिस तथ्यों के साथ पूरा मामला सामने रखेगी। फिलहाल सवाल पुलिस से है—क्या जांच वास्तव में मास्टरमाइंड तक पहुंच रही है, या कार्रवाई केवल हमलावरों की गिरफ्तारी तक सीमित रह गई है?

100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने की संयुक्त कार्रवाई, 500 क्विंटल लाहन और 10 भट्ठियां नष्ट

कुचबंदिया मोहल्ले में अवैध महुआ शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शहर के गंज क्षेत्र स्थित कुचबंदिया मोहल्ले में रविवार को पुलिस ने अवैध कच्ची महुआ शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। छह थानों एवं रक्षित केंद्र के 100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने मोहल्ले और रेलवे ट्रैक के आसपास एक साथ दबिश देकर अवैध शराब बनाने के ठिकानों की तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान करीब 400 डिब्बों में लगभग 500 क्विंटल महुआ लाहन मिला। इसके अलावा करीब 10 भट्ठियां, 20 ड्रम और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री भी बरामद हुई। पुलिस ने लाहन और भट्ठियों को मौके पर नष्ट कर दिया। बताया गया कि कुचबंदिया मोहल्ले में लंबे समय से अवैध कच्ची महुआ शराब बनाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद रविवार को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की। पुलिस टीमों ने घरों के आसपास के क्षेत्रों के साथ रेलवे ट्रैक के किनारे भी तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई में कोतवाली, लखनवाड़ा, डूंडासिवनी, बंडोल, महिला थाना, अजाक थाना एवं रक्षित केंद्र सिवनी का बल शामिल रहा। मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

इतनी बड़ी कार्रवाई, फिर आरोपी कहां? कार्रवाई में जब इतनी बड़ी मात्रा में महुआ लाहन, भट्ठियां और शराब बनाने की सामग्री मिली, तो आरोपियों के मौके पर नहीं मिलने को लेकर अब गली-मोहल्ले में चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोगों के बीच सवाल उठ रहा है कि लंबे समय से शराब बनाने की शिकायतों के बावजूद कार्रवाई के दौरान शराब निर्माण में शामिल लोग पुलिस की पकड़ में क्यों नहीं आ सके। लोगों का कहना है कि यदि इतने बड़े स्तर पर शराब बनाने की तैयारी थी, तो इसके पीछे कौन लोग थे और कार्रवाई की भनक लगते ही वे कहां चले गए? फिलहाल कार्रवाई में सामग्री तो मिली, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाने का सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना होगा कि पुलिस की आगे की जांच में इस अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों तक पहुंच बनती है या नहीं।

छपारा महाविद्यालय की टीम रही उपविजेता

जिला स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में कन्या महाविद्यालय सिवनी विजेता



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर वर्ष 2026-27 के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी में जिला स्तरीय महिला बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सरवैया एवं क्रीड़ा प्रभारी प्रो. लक्ष्मी मेश्राम के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों की महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और उत्साह का परिचय देते हुए रोमांचक मुकाबले खेले। प्रतियोगिता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि शासकीय महाविद्यालय छपारा की टीम उपविजेता रही।

प्रतियोगिता के सफल एवं निष्पक्ष संचालन में निर्णायक मनीष परिहार एवं आकांक्षा ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन के माध्यम से छात्राओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला। प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ. मधु भदोरिया, डॉ. कमलेश टेभरें, डॉ. गुलाम कादिर खान, डॉ. जसवंत सिंह राजपूत, डॉ. के.एच. राउर, डॉ. प्रदीप पटवारी, प्रो. रचना राय, प्रो. पंकज शेडे, डॉ. मोहम्मद राशिद खान, डॉ. समिता शर्मा, श्रीमती आयशा सिद्दीका, श्रीमती सुभद्रा उईके सहित क्रीड़ा अधिकारियों एवं प्राध्यापकों का सहयोग रहा। महाविद्यालय परिवार ने प्रतियोगिता में शामिल सभी महाविद्यालयों, खिलाड़ियों, निर्णायकों एवं सहयोगी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।



पलारी बस स्टैंड में विराजे प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी-खैरा पलारी के भादोवास में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी की भव्य प्रतिमा पलारी नगर के बस स्टैंड परिसर में स्थापित की गई है। गणेश उत्सव के दौरान भगवान श्री गणेश के आकर्षक एवं भव्य स्वरूप के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गणेश उत्सव के अवसर पर प्रतिदिन सुबह एवं शाम विधि-विधान से भगवान श्री गणेश की आरती की जा रही है। वहीं स्थानीय महिलाओं द्वारा प्रतिदिन भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। गणेश पंडाल में प्रतिदिन धार्मिक वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालु भगवान श्री गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं और क्षेत्र में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना कर रहे हैं। गणेश उत्सव को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

बंडोल पुलिस ने 4 ढाबों पर अवैध शराब पकड़ी

सिवनी। सिवनी जिले में अवैध शराब बनाने, लाने-ले जाने और बेचने के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बंडोल पुलिस ने रविवार रात अपने थाना क्षेत्र के अलग-अलग ढाबों पर जांच की। इस कार्रवाई में चार ढाबों पर अवैध रूप से कच्ची और देशी शराब बेचते हुए चार लोगों को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 18 लीटर शराब जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 2,980 रुपए बताई गई है। चार अलग-अलग ढाबों पर दबिश सब इंस्पेक्टर मनोज जंघेला ने बताया कि पुलिस टीम ने बंडोल थाना क्षेत्र के ढाबों और आसपास के इलाकों में गहन चेकिंग की।

आंगनवाड़ी केंद्र चक्की खमरिया में मनाया पोषण माह

पौष्टिक आहार और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- आंगनवाड़ी केंद्र चक्की खमरिया में पोषण माह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, महिलाओं एवं ग्रामीणों को पौष्टिक आहार, संतुलित भोजन, स्वच्छता और योग के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग से डॉ. सरला वासनिक, दवासाज रमाकांत मारवी, नीलेश सतनामी, योग प्रशिक्षक सुखराम यादव एवं श्रीमती शालू गोस्वामी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए पौष्टिक आहार को आवश्यक बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संतोषी यादव एवं संगीता चौरसिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार देने तथा स्वयं भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कलेक्टर ने जारी किया आदेश, आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी नई व्यवस्था

सिवनी जिले में अनुविभागीय अधिकारियों के प्रभार में बदलाव

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शासकीय कार्यों के सुचारू संचालन एवं कार्यालयीन व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती नेहा मीना ने जिले में अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) के प्रभार में अस्थायी रूप से बदलाव किया है। जारी आदेश के अनुसार नई व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगी। आदेशानुसार श्रीमती पूर्वी तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बरघाट का प्रभार सौंपा गया है। वहीं प्रशांत उइके, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बरघाट को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी का नवीन प्रभार दिया गया है। इसी क्रम में परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर अभिषेक जैन को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुरई का प्रभार सौंपा गया है। आदेश में यह भी उल्लेखित है कि प्रशांत उइके, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी, अनुभाग कुरई के लिए रिपोर्टिंग अधिकारी के रूप में भी कार्य करेंगे। प्रशासनिक स्तर पर किए गए इस बदलाव के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा नवीन प्रभार के अनुरूप कार्यभार संभालकर

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कहा—बच्चों की प्रतिभा देश का भविष्य तय करेगी

चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को वितरित किए प्रमाणपत्र



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्यमेरे सपनों का भारतह्न राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक दिनेश राय मुनमुन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

विद्यालय परिवार की ओर से विधायक का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भाषण सुने तथा चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रतिभागियों से उनके बनाए चित्रों के संबंध में जानकारी ली। समारोह में विधायक दिनेश राय मुनमुन के हाथों राष्ट्रीय जूनियर हॉकी चैम्पियनशिप, पुणे में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक प्राप्त करने वाली कक्षा 12वीं की छात्रा कु. जहूरनाज सहित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि सेवा हमारी संस्कृति, संस्कार और जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। बच्चों द्वारा चित्रों और भाषणों के माध्यम से देश एवं समाज के प्रति अपने विचार व्यक्त करना उनके राष्ट्रप्रेम और सेवा भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ भाग लेना है। विद्यार्थियों की प्रतिभा और सोच ही क्षेत्र एवं देश के भविष्य को दिशा देगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष मीना बिसेन, अलकेश रजक, पीयूष दुबे, अहफाज खान, अंकित ठाकुर, राजीव जैरथ, रौनक श्रीवास्तव, नितिन सनोडिया, जिब्राईल मंसूरी, प्रभारी प्राचार्य पीपी पांडे, देवेन्द्र ठाकुर, ओपी शर्मा सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मप्र में 24 सितंबर से भारी बारिश

आखिरी मानसूनी दौर:अब तक 33.9 इंच बरसात; नर्मदापुरम में हवा-पानी से गणेश पंडालों को नुकसान



भोपाल। दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई से पहले मध्य प्रदेश में बारिश का दौर रहेगा। मौसम विभाग ने 24 सितंबर से कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले रिमझिम जारी रहेगी। प्रदेश में अब तक औसत 33.9 इंच पानी गिर चुका है, जो मानसूनी कोटे का करीब 91% है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार तक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) उत्तर अंडमान सागर एवं आसपास के क्षेत्र के ऊपर स्थित था। रविवार को यह आगे बढ़ गया। इसके आगे बढ़ने और 21 सितंबर को मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर डिप्रेशन और 22 सितंबर को डीप डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। ऐसा होने से 24 सितंबर से कई जिलों में तेज बारिश शुरू होगी। इस दिन प्रदेश के छतरपुर, सतना, दमोह, डिंडौरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

इससे पहले रविवार रात को भोपाल के कई इलाकों में तेज पानी गिरा। नर्मदापुरम में हवा चलने के बाद करीब पौन घंटे बारिश हुई। फेफरताल में 33 केवी लाइन पर पेड़ गिर गया। बिजली गुल होने से शहर का करीब 40 फीसदी हिस्सा अंधेरे में डूबा रहा। रसूलिया, आशुतोष नगर और हरदा रोड स्थित महाराणा प्रताप मार्केट में गणेश पंडालों को नुकसान पहुंचा।

32 जिलों में 5% से 49% तक कम बारिश : प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 1% तक कम बारिश हुई है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडौरी, दमोह, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, मंडला, रीवा, सागर, सिवनी में 5% से 24% तक कम बारिश हुई है। पिछले एक सप्ताह में यह आंकड़ा काफी सुधरा है। रविवार तक आंकड़ा माइनस में 2 प्रतिशत रहा। वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, बड़वानी, खंडवा, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 5% से 49% कम पानी गिरा है।

सब्सिडी जारी करने 60 हजार घूस मांगने वाला अफसर सस्पेंड



शिवराज को सीहोर में मिली थी शिकायत, केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारी पर हुआ एक्शन

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारी के खिलाफ मिली गंभीर शिकायत के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्रवाई की है। सीहोर जिले में निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस से सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने के आरोपों से घिरे कृषि मंत्रालय के विपणन अधिकारी अनुराग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

60 हजार रुपए मांगी थी रिश्वत : बताया गया है कि अधिकारी के खिलाफ सीहोर जिले में निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस संचालकों से कथित तौर पर रिश्वत मांगने की शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंची थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में शिवाय वेयरहाउस से एक लाख रुपए और श्रीकृष्णा वेयरहाउस से 60 हजार रुपए की मांग की गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। मामले में विभागीय स्तर पर आगे की कार्रवाई और जांच की प्रक्रिया भी की जा सकती है।

रेलवे में गंदगी फैलाने पर जुमार्ना हुआ दुगना

नहीं भरा तो कोर्ट में होगी पेशी, 2000 रुपए तक का जुमार्ना तय



बैतूल। रेलवे स्टेशनों और रेल परिसरों में गंदगी फैलाने वालों पर अब सख्ती होगी। रेलवे बोर्ड ने सफाई नियमों का उल्लंघन करने पर जुमार्ने की राशि बढ़ाकर 1000 रुपए तक कर दी है। यदि संबंधित व्यक्ति जुमार्ना नहीं भरता है तो उसे कोर्ट में पेश किया जा सकता है, जहां 2000 रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है।

पहले 500 रुपए तक था जुमार्ना : बैतूल में रेलवे के पूर्व स्टेशन अधीक्षक (एसएस) वीके पालीवाल ने बताया कि रेलवे बोर्ड ने 24 अगस्त 2026 की राजपत्र अधिसूचना के बाद नए नियम लागू किए हैं। पहले सफाई नियमों के उल्लंघन पर 500 रुपए तक जुमार्ना था, जिसे अब बढ़ाकर 1000 रुपए तक कर दिया गया है।

पोस्टर और उद्घोषणाओं से यात्रियों को करेंगे जागरूक : नए नियमों की जानकारी यात्रियों तक पहुंचाने के लिए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में पोस्टर, नोटिस और उद्घोषणाओं के जरिए प्रचार किया जाएगा। रेलवे समाचार-पत्रों और स्थानीय भाषाओं के माध्यम से भी लोगों को जागरूक करेगा। इसके अलावा रेडियो और टीवी के जरिए भी नए नियमों की जानकारी दी जाएगी।

जोनल रेलवे को अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश : रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को नए नियमों के तहत अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए हैं।

बैतूल के बरसाली में तेंदुए की आहट

3 दिन से ग्रामीणों में डर; ट्रेप कैमरों में नहीं दिखा तेंदुआ, जंगल में मिले पगमार्क



बैतूल। बैतूल के आमला क्षेत्र के बरसाली गांव के पास तेंदुआ दिखने की खबर के बाद पिछले तीन दिनों से ग्रामीणों में डर का माहौल है। वन विभाग ने मौके पर ट्रेप कैमरे लगाए हैं, लेकिन सोमवार सुबह तक उनमें तेंदुआ नहीं दिखा है। जंगल की तरफ तेंदुए के पगमार्क मिलने की पुष्टि हुई है। वन विभाग की टीम अब मौके पर जाकर पगमार्क की जांच करेगी। आमला वन क्षेत्र के रेंजर नानकराम कुशवाह ने बताया कि बरसाली के पास तेंदुआ दिखने की सूचना 18 सितंबर को मिली थी। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी। टीम ने कच्चे रास्ते और नाले में जंगली जानवर के पगमार्क देखे थे।

जंगल की तरफ पगमार्क मिले : इलाके में ट्रेप कैमरे भी लगाए गए हैं, लेकिन अभी तक उनमें तेंदुआ नहीं दिखा है। जंगल की तरफ पगमार्क मिले हैं। सोमवार को वन रक्षकों को भेजकर इनकी दोबारा जांच कराई जाएगी। वन विभाग ने बरसाली और काजी जामठी गांव में घोषणा करके ग्रामीणों को सावधान रहने को कहा है। लोगों से अपील की गई कि पालतू पशुओं को खुले में न बांधे। रात में अकेले बाहर न निकले और बच्चों को भी रात के समय घर से बाहर न जाने दे। जरूरी होने पर टॉर्च लेकर ही बाहर निकलने और जंगली जानवर के पगमार्क या दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना देने को कहा गया है।

यह इलाका बाघ का एक अहम रास्ता : बैतूल जिले में तेंदुए कई वन और पहाड़ी इलाकों में मिलते हैं। जंगल से लगे खेतों और पहाड़ी क्षेत्रों में भी इनके आने-जाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। जिले से सतपुड़ा-मेलघाट टाइगर कॉरिडोर गुजरता है। यह कॉरिडोर सतपुड़ा क्षेत्र को मेलघाट टाइगर रिजर्व से जोड़ता है।

यह इलाका बाघ, तेंदुआ, बायसन और दूसरे जंगली जानवरों की आवाजाही का एक अहम रास्ता है। कुछ जंगली जानवर इन क्षेत्रों में हमेशा रहते हैं, जबकि कुछ कॉरिडोर के जरिए नए इलाकों की तलाश में आते-जाते रहते हैं।

अफसरों की जंग में फंसे 22 कर्मचारी न नियमित हुए और न वेतन मिल रहा

रायसेन। स्वास्थ्य विभाग में अफसरों की खींचतान और प्रशासनिक दांवपेच के बीच 22 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का भविष्य अधर में लटक गया है। पूर्व सीएमएचओ के कार्यकाल में नियमित किए गए इन कर्मचारियों को पिछले पांच माह से वेतन तक नहीं मिला है। नियमितीकरण की प्रक्रिया कागजों पर शुरू होते ही सिस्टम में दर्ज उनका अस्थाई एम्प्लॉई कोड बंद कर दिया गया, जबकि नियमित पद का कोड ट्रेजरी स्तर पर रोक दिया गया। ऐसे में कर्मचारी न तो पहले की तरह दैनिक वेतनभोगी रहे और न ही नियमित कर्मचारी बन पाए। दोनों व्यवस्थाओं के बीच फंसे कर्मचारियों के सामने अब घर-परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। वेतन नहीं मिलने से आर्थिक तंगी बढ़ती जा रही है और बार-बार विभागीय अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद स्थिति स्पष्ट नहीं हो रही। आखिरकार कर्मचारियों ने कलेक्टर से गुहार लगाकर वेतन जारी कराने और नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी करने की मांग की है। तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. एचएन माण्डरे के कार्यकाल में 2 अप्रैल 2026 को कलेक्टर दर पर कार्यरत 22 नैमित्तिक व्यय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को "अस्पताल सहायक" के पद पर नियमित कर पदस्थापना दी गई थी। कोर्ट की अवमानना से बचने का हवाला देकर 4 अप्रैल को कार्यभार भी ग्रहण करा दिया गया। मामला तब अटका जब नया एम्प्लॉई कोड जनरेट कराने फाइल कोषालय (ट्रेजरी) पहुंची। इसी बीच सीएमएचओ बदल गए और डॉ. दिनेश खत्री ने कमान संभाल ली। ट्रेजरी ने नए कोड के लिए शासन की वित्तीय अनुमति मांग ली, जिसके बाद से फाइल अटकी हुई है।

रायसेन में पीर फतेह उल्लाह शाह चिश्ती का 806वां उर्स



रायसेन। रायसेन में हजरत बाबा पीर फतेह उल्लाह शाह चिश्ती की दरगाह शरीफ पर 806वां उर्स मुबारक आज (सोमवार) से शुरू हो गया है। उर्स के दौरान देशभर से जायरीन रायसेन पहुंच गए है। वे बाबा की दरगाह पर देश में अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआ करेंगे। हर साल की तरह इस बार भी जिला प्रशासन की ओर से पहली चादर पेश की जाएगी। उर्स के लिए दरगाह शरीफ पर बिजली की सजावट की गई है। जायरीन के लिए कई तरह की व्यवस्थाएं भी की गई हैं। बाहर से आने वाले लोगों के लिए शुद्ध पीने के पानी, साफ-सफाई और अन्य जरूरी इंतजामों पर खास ध्यान रखा गया है। कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार को जुहर की नमाज के बाद मिलाद शरीफ और कुरानखानी हुई। इसके बाद 22 सितंबर को ईशा की नमाज के बाद कव्वाली कार्यक्रम होगा। इसमें कव्वाल सलीम शमीम (जावरा), कव्वाल जफर हुसैन और कव्वाल शादाब हुसैन सहित अन्य कव्वाल अपनी प्रस्तुति देंगे। 23 सितंबर को भी ईशा की नमाज के बाद कव्वाली कार्यक्रम रखा गया है। उर्स का समापन 24 सितंबर की सुबह फजर की नमाज के बाद कुल शरीफ और दुआ के साथ होगा। उर्स के लिए दरगाह परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

भोपाल में लेडी इंस्पेक्टर की हत्या, प्रेमी ने किया सुसाइड

शादी को लेकर विवाद की आशंका; मौके पर खून से सना हथौड़ा मिला





भोपाल। भोपाल की लेकपर्ल कॉलोनी के एक मकान में दतिया की आरटीओ इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले (45) का शव मिला है। सिर पर चोटों के निशान हैं। शव के पास ही खून से सना हथौड़ा भी पड़ा था। मकान मीनाक्षी के प्रेमी पवन कुमार द्विवेदी (48) का है। मीनाक्षी रविवार शाम करीब 7 बजे केयरटेकर कृतिका के साथ यहां पहुंची थीं। उनकी तीन साल की बेटी है। रात में कृतिका मीनाक्षी की बेटी के साथ अंदर वाले कमरे में सोई थी। सोमवार सुबह करीब 7 बजे जागी तो बाहर वाले कमरे में मीनाक्षी का शव देखा। पुलिस को सूचना दी।

मीनाक्षी से शादी करना चाहता था पवन : खजूरी सड़क पुलिस के मुताबिक, पवन मीनाक्षी से शादी करना चाहता था जबकि वह इसके लिए तैयार नहीं थी। पुलिस को आशंका है कि इसी बात को लेकर रविवार देर रात विवाद के बाद पवन ने मीनाक्षी के सिर पर हथौड़े से वार कर दिया होगा। इसके बाद घर से करीब 20 मीटर दूर पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसकी जेब से बैंक पासबुक मिली है।

इंदौर में हुई थी मीनाक्षी और पवन की मुलाकात : प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पवन मूल रूप से सीधी जिले का रहने वाला था। वह इंदौर में कोचिंग क्लासेस चला चुका था। मीनाक्षी और पवन की मुलाकात इंदौर में ही हुई थी। उन दिनों मीनाक्षी अविवाहित थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। एडिशनल डीसीपी संजीव पाठक ने बताया कि करीब दो साल पहले मीनाक्षी का पति से तलाक हो चुका था।

आंगन में हत्या की, शव घसीटकर कमरे में लाया : पुलिस का अनुमान है कि हत्या आंगन में की गई है। आरोपी शव को घसीटकर घर के पहले कमरे में ले गया। फिर बाहर से लॉक कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ऋछ से भी जांच कराई है। अधिकारियों ने कहा- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित

बोले- फॉलन आउट नहीं रुका तो मंत्री की चुनौती पर 'विद्वान जनता पार्टी' बनाकर चुनाव लड़ेंगे

भोपाल। भोपाल के नीलम पार्क में नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर चल रहा अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि आंदोलन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि सरकार को समस्या के समाधान के लिए समय दिया गया है। 3 अक्टूबर तक फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने और नीति बनाने पर ठोस फैसला नहीं हुआ तो 4 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने की बात कही गई है। इसके साथ ही अतिथि विद्वानों ने मंत्री इंदर सिंह परमार के सुझाव के आधार पर राजनीतिक पार्टी बनाने और चुनाव लड़ने पर भी फैसला लेने की बात कही है।

उच्च शिक्षा आयुक्त से मांगों पर हुई चर्चा : अतिथि विद्वान डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा आयुक्त प्रबल सिपाहा मंत्री इंदर सिंह परमार के प्रतिनिधि के रूप में नीलम पार्क पहुंचे थे। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि जब तक स्थायित्व की नीति नहीं बन जाती, तब तक फॉलन आउट की प्रक्रिया रोकी जाए। आयुक्त ने इसे नीतिगत विषय बताते हुए मंत्री से चर्चा कर समाधान का प्रयास करने की बात कही। डॉ. सिंह ने कहा कि नीति बनने तक वर्षों से सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों को बेरोजगार नहीं किया जाए। इसी उम्मीद में आंदोलन को 3 अक्टूबर तक स्थगित किया गया है।

4 अक्टूबर से विद्वान जनता पार्टी पर फैसला : डॉ. राकेश कुमार सिंह के अनुसार, 3 अक्टूबर तक मांगों पर समाधान नहीं हुआ तो 4 अक्टूबर से आंदोलन का अगला चरण शुरू होगा। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को सांकेतिक रूप से ह्यविद्वान जनता पार्टीह्न (वीजेपी) के गठन की घोषणा की जा चुकी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यदि फॉलन आउट नहीं रोका गया तो मंत्री इंदर सिंह परमार के सुझाव के आधार पर अतिथि विद्वान अपनी पार्टी बनाकर चुनाव लड़ने पर निर्णय लेंगे।

नई पीढ़ी में देशभक्ति और आत्मविश्वास बढ़ाना ही सेवा संकल्प का मुख्य उद्देश्य: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

"मेरे सपनों का भारत" प्रतियोगिता के होनहार छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित





भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि "आज की नई पीढ़ी के दिल में अपने देश के प्रति गहरा प्रेम और समर्पण साफ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का मुख्य उद्देश्य हमारे बच्चों और युवाओं में आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना को बढ़ाना है, जिससे वे एक मजबूत भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।" राज्यमंत्री श्रीमती गौर सोमवार को भोपाल के गोविंदपुरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आनंद नगर में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था की सराहना की और बच्चों की प्रतिभा का उत्साहवर्धन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश को मिली नई दिशा : राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत विकास के नए आयाम तय कर रहा है। आज पूरा देश उनके बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। स्वच्छता अभियान की बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक साफ-सुथरा समाज ही एक स्वस्थ और मजबूत देश का निर्माण करता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित किया है और उनके विचारों को अपनाकर ही हम एक समृद्ध भारत बना सकते हैं।

भारतीय संस्कृति और संस्कार ही हमारी असली पहचान : राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने भारतीय संस्कारों और मूल्यों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और अच्छे संस्कार ही पूरी दुनिया में भारत को एक अलग और खास पहचान दिलाते हैं। शिक्षकों और गुरुओं के सही मार्गदर्शन में आज का हर बच्चा आत्मविश्वास से भरा हुआ है और देश की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार है।

विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

समारोह में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर आयोजित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्री संतोष ग्वाला, पार्षद श्रीमती छाया ठाकुर, श्रीमती ममता विश्वकर्मा, प्राचार्य श्री पुष्पा, श्री अशोक गुप्ता, श्री प्रदीप लोधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बरही तहसील के जगुआ हल्का पटवारी की वेतन वृद्धि रोकने के दिये निर्देश

जिले की मछुआ सहकारी समितियों के अपात्र सदस्यों को करें निष्कासित: कलेक्टर

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में की

विभागीय योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने सहायक आयुक्त सहकारिता को जिले की मछुआ सहकारी समितियों की जांच कर सदस्यों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में अपात्र पाए जाने वाले सदस्यों को नियमानुसार समिति से निष्कासित किया जाए। कलेक्टर श्री तिवारी ने यह निर्देश सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में विभागीय योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान दिये। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर एवं नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पटवारी की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश- फौती नामांतरण के प्रकरण के लापरवाही बरतने वाले तहसील बरही जगुआ हल्का के पटवारी के विरूद्ध सख्त रूख अपनाते हुये पटवारी की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण- कलेक्टर ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए खनिज विभाग में लंबित शिकायतों के निराकरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने बी ग्रेड वाले विभागों को लंबित शिकायतों का निराकरण कर ए ग्रेड में आने के लिए वांछित सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल संसाधन, सहकारिता, जनजातीय कार्य, श्रम, स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा एवं पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से शिकायतों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने को कहा। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। **स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति लाने के निर्देश**- स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान अनमोल पोर्टल पर गर्भवती माताओं की एएनसी जांच एवं एनीमिया के मामलों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए टीबी अधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही डिलीवरी से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अद्यतन करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए। **महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा**- कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा करते हुए परियोजना ढीमरखेड़ा एवं कटनी शहरी में प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, जन्म प्रमाण पत्र, 3 से 6 वर्ष के बच्चों के पंजीयन, पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों की स्थिति तथा पोषण ट्रैकर में चिन्हांकित सैम एवं मैम बच्चों की स्थिति की भी समीक्षा की। **आयोगों से जुड़े प्रकरणों की अद्यतन जानकारी रखने के निर्देश**- कलेक्टर श्री तिवारी ने नगर निगम, जिला पंचायत, एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारियों को अपने विभागों से जुड़े अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग और मानवाधिकार आयोग तथा बाल संरक्षण आयोग से संबंधित प्रकरणों की अद्यतन जानकारी तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न आयोगों से प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों की आगामी समय-सीमा बैठक में समीक्षा की जाएगी। **पीएम किसान ई-केवाईसी का कार्य एक सप्ताह में पूरा करें**- राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना, डिजिटाइजेशन एवं पीएम किसान ई-केवाईसी की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। पीएम किसान योजना की लंबित ई-केवाईसी एक सप्ताह में पूर्ण कराने तथा कम प्रगति वाले तहसीलदारों को स्वयं निगरानी कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। **स्वरोजगार योजनाओं में लक्ष्यपूर्ति सुनिश्चित करें**- कलेक्टर ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के लंबित एवं स्वीकृत प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूरी कराने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए बैठक में ये रहे उपस्थित बैठक में समस्त एसडीएम, उपसंचालक खनिज श्री रत्नेश दीक्षित, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सच्चिदानंद पाण्डेय, सहायक आयुक्त सहकारिता राजयशवर्धन कुरील, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विमल चौरसिया, सहायक संचालक मत्स्योद्योग आशीष नायक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की महाप्रबंधक ज्योति सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



जनपद उपाध्यक्ष सहित सदस्यों ने कलेक्टर को सौंपा शिकायत पत्र, कार्रवाई की मांग

सामान्य सभा की बैठक में गाली गलौज और अभद्र व्यवहार का आरोप

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जनपद पंचायत बहोरीबंद की सामान्य सभा की बैठक के दौरान जनपद अध्यक्ष लाल कमल बंसल द्वारा कथित रूप से गाली-गलौज एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर जनपद उपाध्यक्ष सोनम राजेश चौधरी के नेतृत्व में जनपद सदस्यों ने जिला कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार 16 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत बहोरीबंद की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनपद सीईओ एवं जनपद पंचायत के सदस्य मौजूद थे। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बैठक के दौरान जनपद अध्यक्ष द्वारा कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और इसके बाद वे कुछ सदस्यों के साथ बैठक छोड़कर बाहर चले गए। शिकायत में कहा गया है कि अध्यक्ष के बैठक से बाहर जाने के बाद उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में निर्धारित एजेंडे के अनुसार बैठक की कार्यवाही पूरी की गई।

अधिकारी-कर्मचारियों से भी अभद्र व्यवहार का आरोप

जनपद उपाध्यक्ष एवं शिकायतकर्ता सदस्यों ने आरोप लगाया है कि जनपद अध्यक्ष द्वारा बैठकों के दौरान सदस्यों के साथ-साथ अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति भी कथित रूप से गाली-गलौज एवं अपशब्दों का प्रयोग किया जाता है। शिकायत में इससे कर्मचारियों के बीच भय का माहौल बनने और उन्हें कथित रूप से प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया गया है। उपाध्यक्ष सोनम राजेश चौधरी ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि जनपद अध्यक्ष बैठकों में नशे की हालत में आते हैं और सदस्यों तथा कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। यह आरोप शिकायतकर्ताओं की ओर से लगाया गया है, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध नहीं है।

कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कटनी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बहोरीबंद एवं थाना प्रभारी बहोरीबंद को दिए जाने की बात कही गई है। शिकायत पत्र पर जनपद उपाध्यक्ष सोनम राजेश चौधरी के साथ गीता, प्रतिभा, भारती, पुष्पा दुबे, प्रवीण यादव, सोम शेखर तिवारी, संजो सहित कई जनपद सदस्यों के हस्ताक्षर बताए गए हैं। फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों पर संबंधित जनपद अध्यक्ष का पक्ष सामने नहीं आया है। मामले में प्रशासनिक जांच या संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई के बाद ही आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नवागत पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन श्री इरशाद वली ने किया पन्ना जिले का भ्रमण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। नवागत पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन श्री इरशाद वली द्वारा आज पन्ना जिले का भ्रमण किया गया। पन्ना आगमन पर पुलिस गार्ड द्वारा सलामी दी गई। इसके उपरांत पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल, पन्ना में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ प्रस्तावना एवं अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक छतरपुर रेंज श्री विजय खत्री, पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति निवेदिता नायडू, अति0 पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना चौहान समेत जिले के समस्त एसडीओपी, एवं जिले के समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा उपस्थित अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर जिले की कानून-व्यवस्था एवं अपराध की स्थिति के संबंध में जानकारी ली गई तथा पुलिसिंग से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई।

बैठक में जिले की भौगोलिक स्थिति, अनुभागवार थाना एवं चौकी की स्थिति, जिले में घटित अपराधों, गंभीर एवं लंबित अपराधों, लंबित विवेचनाओं, शिकायतों तथा साइबर अपराधों की समीक्षा की गई। लंबित मामलों के त्वरित निराकरण एवं अपराध नियंत्रण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा थानों में जप्त माल को व्यवस्थित एवं सुरक्षित रखने तथा जप्त माल के शीघ्र निराकरण के संबंध में निर्देशित किया गया। साथ ही अवैध शराब, जुआ एवं सट्टा जैसी गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक के उपरांत पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पन्ना का भ्रमण किया गया। इस दौरान कार्यालय की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। भ्रमण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा जिले के थाना अमानगंज, थाना कोतवाली पन्ना एवं थाना मड़ला का भ्रमण कर थानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेखों, जप्त माल एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा आगामी त्योहारों एवं धार्मिक आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, आयोजन समितियों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा क्षेत्र में लगातार पुलिस मूवमेंट बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस महानिरीक्षक महोदय ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण तथा आमजन के प्रति संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मेरा युवा भारत द्वारा छत्रसाल स्टेडियम में राष्ट्रीय संकल्प समारोह आयोजित



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त निकाय मेरा युवा भारत द्वारा देशभर में संचालित नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान के शुभारंभ दिवस पर रविवार को छत्रसाल स्टेडियम पन्ना के इंडोर हॉल में राष्ट्रीय संकल्प समारोह का सफल आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अगस्त 2026 को लॉन्च किए गए इस 100 सप्ताह के राष्ट्रव्यापी अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने सहभागिता की। उन्होंने उपस्थित युवाओं और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश को नशा मुक्त बनाने और युवाओं को एक स्वस्थ, जिम्मेदार तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इस अभियान का आयोजन किया जा रहा है। विधायक ने युवाओं को स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार, मित्रों और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता पर केंद्रित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। युवाओं को अभियान से जोड़ने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया तथा टी शर्ट का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन और खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर जिला युवा अधिकारी अपूर्व तिवारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की सतत निगरानी, जनपद सीईओ ब्रतेश जैन ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर के निर्देश पर ग्राम पंचायतों का सतत भ्रमण कर विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का लिया जा रहा जायजा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निदेर्शानुसार जिले की ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ब्रतेश जैन द्वारा ग्राम पंचायत सिजहनी एवं पड़वई में विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

ग्राम पंचायत सिजहनी में निर्माण कार्यों का निरीक्षण- जनपद सीईओ श्री ब्रतेश जैन ने ग्राम पंचायत सिजहनी में सीसी रोड, सामुदायिक भवन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित एवं निमार्णाधीन आवासों का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्यों के क्रियान्वयन का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराने पर जोर दिया। उन्होंने हितग्राहियों से संवाद करते हुए शीघ्र आवास पूर्ण कराने की समझाइश दी।

पड़वई में सामुदायिक भवन का निरीक्षण

इसी श्रृंखला में ग्राम पंचायत पडवई में सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। श्री जैन ने कार्य की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करते हुए संबंधितों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित विकास कार्यों की नियमित निगरानी, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों को योजनाओं का बेहतर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के मार्गदर्शन में जनपद पंचायतों के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे सतत मैदानी भ्रमण से ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की प्रभावी निगरानी एवं कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण में जिला पंचायत कटनी ने हासिल किया ए ग्रेड

राज्य स्तरीय ग्रेडिंग में छठवें पायदान पर कटनी, टॉप-टेन में बनाई जगह

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर की सतत निगरानी और प्रयासों से मिली सफलता



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। **सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण के क्षेत्र में जिला पंचायत कटनी ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश स्तर पर अगस्त माह के लिए जारी ग्रेडिंग के अनुसार प्रथम समूह में जिला पंचायत कटनी ने ए ग्रेड प्राप्त करते हुए राज्य स्तर पर छठवां स्थान हासिल किया है। साथ ही जिला पंचायत कटनी ने टॉप-टेन में अपनी जगह बनाई है।**

जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की सतत निगरानी, प्रभावी मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। अगस्त माह की राज्य स्तरीय ग्रेडिंग में जिला पंचायत कटनी द्वारा 1,578 शिकायतों का निराकरण करते हुए कुल 86.07 वेटेज प्राप्त किया गया, जिसके आधार पर जिला पंचायत को ए ग्रेड प्रदान किया गया।

अधिकारियों-कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों का परिणाम- सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता, समयबद्धता एवं शिकायतकताओं की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए जिला पंचायत स्तर पर निरंतर निगरानी की गई। शिकायतों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा के साथ संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जा सके। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने इस उपलब्धि पर सीएम हेल्पलाइन का कार्य देख रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए उनके समर्पण, मेहनत एवं जिम्मेदारीपूर्वक किए गए कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण प्रशासन की जवाबदेही एवं जनसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिला पंचायत कटनी की यह उपलब्धि शिकायतों के प्रभावी निराकरण के प्रति विभागीय प्रतिबद्धता, सतत निगरानी और टीम भावना को दशार्ती है। स्तरीय ग्रेडिंग में छठवां स्थान एवं टॉप-टेन में शामिल होना जिला पंचायत के लिए महत्वपूर्ण सफलता है।

दो दिन से लापता चालक का शव खदान में मिला



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कटनी के बरगवां इलाके में एक खुली खदान में 32 वर्षीय युवक का शव तैरता हुआ मिला। युवक पिछले दो दिनों से लापता था। शव मिलने की सूचना पर सोमवार को इलाके में भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान माधव नगर थाना क्षेत्र की इंदिरा ज्योति कॉलोनी (हाउसिंग बोर्ड) निवासी अरुण तिवारी (32) के रूप में हुई है। अरुण पेशे से ड्राइवर था। परिजनों ने बताया कि वह दो दिन पहले घर से निकला था और उसके बाद से लापता था। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला था। स्थानीय ग्रामीणों ने खदान में शव देखकर तुरंत रंगनाथ थाना पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से काफी कोशिश के बाद शव को खदान के पानी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। रंगनाथ थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय ने बताया कि मामले में मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतक किन परिस्थितियों में खदान तक पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई, इसकी सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है।

11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 23 सितम्बर को



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। आयुष विभाग द्वारा आगामी 23 सितम्बर को स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद के मुख्य थीम पर जिले के सभी आयुष संस्थाओं में 11वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम में बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल, आयुर्वेद में साक्ष्य, अनुसंधान एवं नवाचार तथा सामुदायिक कल्याण व सतत जीवनशैली के लिए आयुर्वेद के विषय पर जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आयुष संस्थाओं में आयुर्वेद स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर, प्रगति परीक्षण एवं जीवन शैली मूल्यांकन, दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, योग व रोग प्रतिरोधक क्षमता के संबंध में जनजागरूकता कार्यक्रम तथा मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, जोड़ों के रोग व अन्य जीवनशैली जन्य रोगों की रोकथाम के संबंध में परामर्श सहित योग एवं ध्यान सत्र का कार्यक्रम होगा। स्वस्थ वृद्धावस्था, पोषण व आयुर्वेद आधारित स्वस्थ्य जीवनशैली पर संबंधित क्षेत्र के विद्यालय, महाविद्यालय, पंचायत, कार्यालय व साप्ताहिक हाट आदि स्थानों पर व्याख्यान, औषधीय पौधों की पहचान, उपयोग व संरक्षण के संबंध में जागरूकता, औषधीय पौधों का रोपण तथा हर्बल गार्डन व आयुर्वेद वाटिका के संवर्धन सहित उपस्थित नागरिकों, विद्यार्थियों व अधिकारी-कर्मचारियों को आयुर्वेद प्रतिज्ञा भी दिलाई जाएगी।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

सेवा संकल्प अभियान के तहत हुई प्रतियोगिता



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत मेरे सपनों का भारत गतिविधि के तहत आज शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना एवं पवई में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पन्ना में कुल 54 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। शैलजा शुक्ला ने प्रथम, विद्या मण्डल ने द्वितीय तथा पीयूष पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है, जबकि पवई में 14 प्रतिभागी विद्यार्थियों में से हेमचन्द्र चौधरी ने प्रथम, मुस्कान गुप्ता ने द्वितीय तथा विपिन कुमार विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

भुआ-बिछिया नगर परिषद के 15 वार्डों में प्रधानमंत्री आवास योजना पर सवाल

सालों से किस्त का इंतजार... आखिर किसके भरोसे अधूरे मकान....?

2017-18 से लंबित प्रकरणों की जांच की मांगे CMO बोले-कुछ समय बाद आएगी राशि, लोन लेने के सवाल पर नहीं दिया स्पष्ट जवाब



दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला, जिले की नगर परिषद भुआ-बिछिया में गरीबों को पक्की छत देने के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री आवास योजना के सामने नगर परिषद भुआ-बिछिया में किस्तों के इंतजार का लंबा सिलसिला सामने आने की शिकायतें हैं। वही जानकारी के अनुसार हितग्राहियों का कहना है कि वर्ष 2017-18 से स्वीकृत कई आवासों की किस्तें अब तक लंबित हैं।

वर्षों गुजर गए, लेकिन कई परिवारों के मकान अधूरे पड़े हैं और हितग्राही भुगतान के लिए नगर परिषद के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। स्वीकृति के बाद भी पैसा नहीं, तो जिम्मेदार कौन? हितग्राहियों का सवाल सीधा है-जब आवास योजना में प्रकरण स्वीकृत हुए तो निर्माण की निर्धारित अवस्थाओं के अनुसार राशि समय पर क्यों नहीं पहुंची? यदि किसी प्रकरण में दस्तावेज, जियो-टैगिंग, बैंक खाता या निर्माण की स्थिति बाधा है तो वर्षों से हितग्राहियों को इसकी स्पष्ट जानकारी क्यों नहीं दी गई? नगर परिषद के 15 वार्डों में प्रधानमंत्री आवास योजना की वार्डवार स्थिति सार्वजनिक करने की मांग उठ रही है। कितने आवास स्वीकृत हुए, कितनों को कितनी राशि मिली, कितनी किस्तें लंबित हैं और भुगतान किस कारण रुका है-इन सवालों का रिकॉर्ड आधारित जवाब सामने आना जरूरी है।

हितग्राही परेशान, व्यवस्था मौन!

प्रधानमंत्री आवास की किस्त पर निर्भर परिवारों के लिए भुगतान में देरी केवल कागजी प्रक्रिया नहीं बल्कि अधूरे मकान और आर्थिक परेशानी का कारण बन सकती है। जिन परिवारों के पास मकान पूरा कराने के लिए अपने संसाधन नहीं हैं, वे वर्षों से अगली किस्त की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

CMO का बयान-कुछ समय बाद खाते में आ जाएगी राशि

मामले में नगर परिषद भुआ-बिछिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मार्को ने बताया कि कुछ समय बाद हितग्राहियों के खातों में राशि आ जाएगी। लेकिन जब उनसे नगर परिषद द्वारा लोन लिए जाने और लोन लेने की आवश्यकता को लेकर सवाल किया गया तो इस संबंध में उन्होंने अपना स्पष्ट मत नहीं बताया। यहीं से एक और सवाल खड़ा होता है-आखिर नगर परिषद को लोन लेने की जरूरत क्यों पड़ी और इसका प्रधानमंत्री आवास योजना की लंबित किस्तों से क्या संबंध है? इस सवाल का स्पष्ट जवाब सामने आना बाकी है।

2017-18 से आज तक- कहां अटकी किस्त?

हितग्राहियों की शिकायतों के बीच अब जिला प्रशासन से मांग है कि वर्ष 2017-18 से अब तक के प्रधानमंत्री आवास प्रकरणों का रिकॉर्ड आधारित विशेष परीक्षण कराया जाए। स्वीकृति आदेश से लेकर बैंक खाते में राशि अंतरण तक प्रत्येक चरण की जांच हो और यह स्पष्ट किया जाए कि किस स्तर पर कितनी देर हुई।

जांच हुई तो सामने आएगी पूरी तस्वीर

नगर परिषद के अभिलेख, स्वीकृत प्रकरण, जियो-टैगिंग, निर्माण की स्थिति, भुगतान आदेश और बैंक अंतरण का मिलान होने पर ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। यदि भुगतान वास्तव में लंबित हैं तो पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार राशि दिलाने की समयसीमा तय हो और यदि किसी स्तर पर प्रक्रिया में लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी भी तय हो। वही अब सवाल सिर्फ किस्त का नहीं, वर्षों से इंतजार कर रहे गरीब परिवारों के अधिकार और योजना की भुगतान व्यवस्था की पारदर्शिता का है।



महाआरती में विघ्नहर्ता की उपासना करने पहुंचा किन्नर समाज

दैनिक रेवाँचल टाईम्स - मंडला, श्री झूलेलाल गणेशोत्सव समिति, सुभाष वार्ड की ओर से गणेशोत्सव के तहत महाआरती एवं छप्पन भोग का आयोजन किया गया। आयोजन में किन्नर समाज के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता कर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और महाआरती में शामिल होकर परिवारों की सुख-समृद्धि की कामना की। महाआरती में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने शामिल होकर भगवान श्री गणेश की आराधना की। इस दौरान गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

सिद्धिविनायक को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से सजे छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। श्रद्धालु परिवार अपने घरों से तैयार किए गए व्यंजन भोग के लिए लेकर पहुंचे। आयोजन में पंडित रानूनाथ शर्मा एवं संध्या आरती मंच, रपटा घाट के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। आरती पूजा में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। भगवान गणेश की आराधना के साथ मां जगतजननी की पूजा भी की गई। आयोजन के अंत में परंपरागत पल्लव पूजा संपन्न हुई और सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। समिति द्वारा गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं।

सरकारी स्कूल चोरों के निशाने पर, प्रशासन की नींद नहीं टूट रही!

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला जिले में सरकारी स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। स्कूलों में चोरी की घटनाएं सामने आने के बावजूद जिम्मेदार विभाग और प्रशासन की ओर से प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के आरोप लग रहे हैं। ताजा मामला नैनपुर तहसील के ग्राम परसवाड़ा का है, जहां एकीकृत माध्यमिक शाला में चोरों ने धावा बोल दिया। स्कूल में चोरी सरकारी संस्थान की सुरक्षा पर सवाल मध्यान्ह भोजन सामग्री ले जाने की जानकारी पहले भी चोरी सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल परसवाड़ा के सरकारी स्कूल में चोरों का धावा जानकारी के अनुसार नैनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला में चोरों ने धावा बोलकर मध्यान्ह भोजन की सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि उक्त स्कूल में पूर्व में भी चोरी की वारदात हो चुकी है। इसके बावजूद स्कूल की सुरक्षा को लेकर ठोस इंतजाम नहीं किए जाने की बात सामने आ रही है। **सवाल यही है...**- यदि स्कूल में पहले भी चोरी हो चुकी थी तो उसके बाद सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए? और यदि इंतजाम किए गए थे तो चोर दोबारा सरकारी स्कूल को निशाना बनाने में कैसे सफल हो गए? **सरकारी संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर सवाल**- सरकारी स्कूलों में रखी मध्यान्ह भोजन सामग्री बच्चों के पोषण और शासन की महत्वपूर्ण योजना से जुड़ी होती है। ऐसी सामग्री की चोरी महज सामान का नुकसान नहीं है, बल्कि इससे बच्चों के लिए संचालित व्यवस्था और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े होते हैं। **बच्चों से जुड़ी सामग्री भी सुरक्षित नहीं?**- मध्यान्ह भोजन के लिए रखी सामग्री बच्चों के उपयोग के लिए होती है। ऐसे में स्कूल परिसर से इसकी चोरी की घटना सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता को सामने लाती है। **जिम्मेदार विभाग से जवाब की दरकार**- जिले के अन्य सरकारी स्कूलों में भी चोरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि जिम्मेदार विभाग द्वारा स्कूलों की सुरक्षा, रात्रिकालीन निगरानी और सरकारी सामग्री की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था की गई है। **प्रशासन से पांच सवाल**- 1. परसवाड़ा स्कूल में पूर्व में हुई चोरी के बाद क्या कार्रवाई हुई? 2. दोबारा चोरी रोकने के लिए कौन से सुरक्षा इंतजाम किए गए थे? 3. मध्यान्ह भोजन की कितनी और कितने मूल्य की सामग्री चोरी हुई? 4. मामले में पुलिस को शिकायत दी गई है या एफआईआर दर्ज हुई है? 5. जिले के सरकारी स्कूलों की रात्रिकालीन सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? **पूर्व की घटनाओं की भी हो समीक्षा**- जनता की मांग है कि प्रशासन मामले की गंभीरता से जांच कराए और पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं का भी संज्ञान ले।

जहरीली शराबकांड के खिलाफ गोंडवाना का विरोध प्रदर्शन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में जहरीली शराब के सेवन से कई लोगों की मौत की घटना को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने गंभीर चिंता जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने सागर पहुंचकर आयोजित विरोध कार्यक्रम में भाग लिया तथा जहरीली शराब के कारण हुई मौतों के मामले में सरकार से कठोर कार्यवाही मांग की विरोध कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने कहा कि जहरीली शराब के सेवन से लोगों की जान जाना बेहद दुखद और चिंताजनक घटना है।



इस तरह की घटनाएं न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं बल्कि अवैध एवं जहरीली शराब के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता को भी सामने लाती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए अपने सदस्य को इस तरह खो देना बेहद पीड़ादायक है और सरकार को पीड़ित परिवारों की स्थिति को गंभीरता से समझते हुए तत्काल राहत एवं न्याय की दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए कार्यक्रम में शामिल प्रतिनिधियों ने जहरीली शराब की घटना से प्रभावित आदिवासी परिवारों से मुलाकात की इस दौरान उन्होंने परिवारों की पीड़ा सुनी और घटना से उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली पीड़ित परिवारों ने अपनी समस्याएं और परेशानियां प्रतिनिधियों के सामने रखीं। प्रतिनिधियों ने परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और हरसंभव मदद एवं सहयोग के लिए प्रयास किया जाएगा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने सरकार से मांग की कि जहरीली शराब के मामले की निष्पक्ष और गंभीर जांच कराई जाए घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही अवैध शराब के निर्माण बिक्री और वितरण से जुड़े नेटवर्क पर भी प्रभावी कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता जताई गई पार्टी ने यह भी मांग की कि मृतकों के परिवारों को उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। वक्ताओं ने कहा कि सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी आम जनता के जीवन और सुरक्षा की रक्षा करना है। ऐसी घटनाओं में केवल कार्रवाई का आश्वासन पर्याप्त नहीं बल्कि दोषियों को सजा दिलाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ठोस एवं समयबद्ध कार्यवाही जरूरी है।

मोहगांव में कांग्रेस कार्यकताओं ने देखा राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

ब्लॉक अध्यक्ष इकबाल खान के नेतृत्व में कार्यालय में जुटे पदाधिकारी, सेक्टर व बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोहगांव कार्यालय में 19 सितंबर को ब्लॉक अध्यक्ष इकबाल खान के नेतृत्व में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित ह्यछात्रों की गूंजह्न कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया।

शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर हुआ संवाद- इंदौर में आयोजित ह्यछात्रों की गूंजह्न कार्यक्रम में राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं से संवाद किया। कार्यक्रम में शिक्षा व्यवस्था, रोजगार, भर्ती परीक्षाओं, पेपर लीक, छात्रवृत्ति और युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दे सामने आए। राहुल गांधी ने भी इन विषयों पर अपनी बात रखी। मोहगांव स्थित ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखने के लिए कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्रित हुए। उपस्थित कार्यकताओं ने इंदौर में आयोजित कार्यक्रम और राहुल गांधी के



संबोधन को सुना। **इकबाल खान बोले-कांग्रेस छात्रों के मुद्दे उठाती रहेगी**- ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इकबाल खान ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं की आवाज उठा रहे हैं और कांग्रेस पार्टी छात्रों के हक तथा उनसे जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। **कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित**- लाइव प्रसारण के दौरान शिव कुमार मिश्रा, हसीब खान, निक्कू मलिक, इमरान खान, हीरा सिंह उइके, प्रकाश पदम, पीतम झारिया, चंद्र सिंह मरकाम, सेवकराम उइके, पवन यादव, प्रदीप बैरागी और मनोज बैरागी सहित ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी, सेक्टर अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नैनपुर के स्थानीय सरकारी महाविद्यालय में नदियों के संरक्षण और स्वच्छता का संकल्प

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले के नैनपुर में सरकारी महाविद्यालय ने 21/09/2020 को 'विश्व नदी दिवस' मनाया स्थानीय शासकीय महाविद्यालय नैनपुर में आज 'विश्व नदी दिवस' के अवसर पर व्यापक जन-जागरूकता, स्वच्छता और रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस विशेष दिन पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स ने जल स्त्रोतों और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह संपूर्ण आयोजन 1 एमपी आर्टि रेजीमेंट एनसीसी, जबलपुर की कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) कर्नल कीर्ति सिंथरे के कुशल दिशा-निर्देशन तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. सी. मेश्राम, एनसीसी अधिकारी प्रो. राजेश मातस्कर व जबलपुर से पधारे पीआई पुनीत कुमार के संयुक्त



मार्गदर्शन व नेतृत्व में संपन्न हुआ। पीआई पुनीत कुमार के नेतृत्व में निकली भव्य रैलीः परिसर की स्वच्छता के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा एक विशाल जन-जागरूकता रैली निकाली गई। जबलपुर से पधारे पुनीत कुमार के नेतृत्व में कैडेट्स ने नगर के पीआई मुख्य मार्गो का भ्रमण किया और "स्वच्छ भारत", "भारत माता की जय" के नारे लगाए. केनवास पर जीवंत हुआ नदी संरक्षणः रैली के उपरांत महाविद्यालय में ड्राइंग एवं स्केचिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। एनसीसी कैडेट्स ने अपनी कल्पनाशीलता और कला का बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए केनवास पर रंगों और रेखओं के जरिए नदियों के महत्व, गिरते जलस्तर की चिंता और जल संरक्षण के उपाय दर्शाए। सभी कैडेट्स ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। अधिकारियों और प्राचार्य का उद्बोधनः समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. जे. सी. मेश्राम ने कहा कि नदियां मानव सभ्यता की जीवनरेखा हैं और इनके संरक्षण की शुरूआत हमारे अपने से होती है। एनसीसी अधिकारी राजेश मातस्कर और पीआई पुनीत कुमार ने कैडेट्स के अनुशासन व समर्पण की सराहना की। अंत में सभी ने जल स्त्रोतों की सुरक्षा और स्वच्छता का सामूहिक संकल्प लिया।

मूक पशुओं की आवाज कौन सुनेगा? मोहगांव में पशुओं से भरा वाहन पकड़ाया तो निगरानी तंत्र पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मूक पशुओं की आवाज कौन सुनेगा? मोहगांव में पशुओं से भरा वाहन पकड़ाया तो निगरानी तंत्र पर उठे सवाल तबलपानी-छतरपुर से घुघरी क्षेत्र तक पशु परिवहन की चचाओं के बीच सवाल-मुखबिर तंत्र कितना सक्रिय और संवेदनशील मार्गों पर निगरानी की क्या व्यवस्था? मोहगांव थाना क्षेत्र में पशुओं से भरा वाहन पकड़े जाने के बाद मामला सिर्फ एक वाहन तक सीमित नहीं रह गया है। अब सवाल उन रास्तों और निगरानी व्यवस्था पर भी उठ रहे हैं, जहां से संदिग्ध पशु परिवहन की स्थानीय स्तर पर चचाएं सामने आती रही हैं। घुघरी/मोहगांव। मूक पशुओं की सुरक्षा और उनके परिवहन को लेकर निर्धारित कानूनी व्यवस्थाओं के बीच मोहगांव थाना क्षेत्र में पशुओं से भरा वाहन पकड़े जाने की घटना ने पुलिस की निगरानी और सूचना तंत्र को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सामने आई तस्वीरों में वाहन में बड़ी संख्या में पशु दिखाई देने की बात कही जा रही है। हालांकि पशुओं का परिवहन वैधानिक था या नहीं, संबंधित दस्तावेज मौजूद थे या नहीं तथा निर्धारित नियमों का पालन किया गया था या नहीं-इन सभी तथ्यों की पुष्टि सक्षम जांच के बाद ही हो सकती है। **चचाएं रास्तों पर, सूचना तंत्र तक खबर क्यों नहीं?** स्थानीय स्तर पर तबलपानी, छतरपुर और घुघरी क्षेत्र से पशुओं के परिवहन को लेकर समय-समय पर चचाएं होने की बात सामने आती रही है। इन चचाओं की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है, लेकिन यदि संदिग्ध वाहन वास्तव में इन मार्गों से गुजर रहे हैं तो यह जानना जरूरी है कि उनकी निगरानी के लिए स्थानीय स्तर पर क्या व्यवस्था है। **पुलिस से इन सवालों के जवाब अपेक्षित**- क्या संदिग्ध पशु परिवहन से संबंधित सूचनाएं पुलिस के मुखबिर तंत्र तक पहुंच रही हैं? यदि सूचनाएं मिलती हैं तो उन पर क्या कार्रवाई होती है? प्रमुख मार्गों पर वाहनों की जांच और निगरानी की क्या व्यवस्था है? पिछले महीनों में पशु परिवहन से जुड़े कितने वाहनों की जांच की गई? **मूक पशु बोल नहीं सकते, व्यवस्था को निभानी होगी जिम्मेदारी**- पशु अपनी परेशानी स्वयं व्यक्त नहीं कर सकते। इसलिए उनके सुरक्षित परिवहन और संरक्षण की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति के साथ प्रशासनिक व्यवस्था पर भी होती है। यदि किसी वाहन में पशुओं को निर्धारित नियमों के विपरीत ले जाया जा रहा हो तो उसकी विधिवत जांच और आवश्यक कार्रवाई जरूरी है। ऐसे मामलों में केवल वाहन पकड़ना पर्याप्त नहीं है। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि पशु कहां से लाए गए, उनका स्वामित्व किसके पास है, उन्हें कहां ले जाया जा रहा था, वाहन में पशुओं की संख्या कितनी थी और परिवहन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे या नहीं।



एक वाहन पकड़ाया, सवाल पूरी परिवहन श्रृंखला पर- जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि पशुओं को कहां से लाया गया था, उनका वास्तविक स्वामित्व किसका था, गंतव्य क्या था, वाहन किस मार्ग से आया, परिवहन संबंधी दस्तावेज क्या थे और पशुओं को ले जाने की परिस्थितियां निर्धारित नियमों के अनुरूप थीं या नहीं। यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन मिलता है तो उससे जुड़े पूरे नेटवर्क और परिवहन श्रृंखला की जांच भी आवश्यक होगी। **घुघरी पुलिस के सूचना तंत्र पर भी सवाल**- मोहगांव क्षेत्र में वाहन पकड़े जाने के बाद घुघरी क्षेत्र से संभावित पशु परिवहन की निगरानी को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। पुलिस का स्थानीय सूचना और मुखबिर तंत्र अपराध एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि किसी गतिविधि की स्थानीय स्तर पर लगातार चर्चा हो रही हो और उसकी जानकारी पुलिस तक नहीं पहुंच रही हो, तो सूचना तंत्र की प्रभावशीलता की समीक्षा की जानी चाहिए। वहीं यदि पुलिस को सूचनाएं मिली हैं तो उन पर हुई कार्रवाई का रिकॉर्ड स्थिति स्पष्ट कर सकता है। **लापरवाही या महज संयोग? वरिष्ठ अधिकारी करें समीक्षा**- बिना जांच किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी पर मिलीभगत अथवा संरक्षण का आरोप लगाना उचित नहीं होगा। लेकिन निगरानी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों की वरिष्ठ स्तर से समीक्षा होने पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। यदि कहीं लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है। **गौ संरक्षण से जुड़े संगठनों की सक्रियता पर भी सवाल**- पशु संरक्षण को लेकर सक्रिय स्थानीय गौ संरक्षक समूहों और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े कार्यकताओं की भूमिका को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। यदि संदिग्ध पशु परिवहन की जानकारी किसी संगठन अथवा कार्यकर्ता को मिलती है तो प्रशासन को समय रहते सूचना पहुंचाना पशुओं की सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है। हालांकि किसी संगठन अथवा व्यक्ति पर बिना प्रमाण कोई आरोप नहीं लगाया जा सकता। यह भी संभव है कि संबंधित संगठनों द्वारा समय-समय पर प्रशासन को सूचनाएं दी जाती रही हों। ऐसे में उनका पक्ष सामने आने से स्थिति और स्पष्ट हो सकती है। **सिर्फ ट्रक पकड़ना काफी नहीं, व्यवस्था भी दे जवाब**- मोहगांव की घटना के बाद जांच केवल पकड़े गए वाहन और उसमें मिले पशुओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। प्रशासन को यह भी देखना होगा कि क्षेत्र में पशुधन परिवहन को लेकर चल रही चचाओं की वास्तविकता क्या है और संवेदनशील मार्गों पर निगरानी कितनी प्रभावी है।



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in